संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -137 सोमवार ,20 मार्च 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भ्रष्टाचारियों के लिए बुलडोजर तैयार

» विजय सिन्हा की दो टूक,

» लखीसराय में बोले-बिहार में बनेगी बीजेपी की सरकार

लखीसराय ,19 मार्च 2023(ए)। लखीसराय के विधायक सह बिहार के नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि बिहार में अगली सरकार बीजेपी की बनेगी।

सरकार बनने से पहले ही भ्रष्टाचारियों के लिए बुलडोजर तैयार है। महागठबंधन की सरकार में हत्या, लूट, बलात्कार, प्रशासनिक अराजकता के शिकार लोगों के आवेदन पर संज्ञान लेकर स्पीडी ट्रायल चलाकर भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण देने वालों की संपत्ति जब्त होगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुर्सी के लिए भ्रष्टाचारी से हाथ मिला लिए हैं। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। हत्या के आरोपित मंत्री इजरायल मंसूरी को बर्खास्त करने में मुख्यमंत्री

लाचार और बेबस नजर आ रहे हैं। बिहार की जनता अपराध, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अराजकता से ऊब चुकी है। बिहार में सत्ता बदलेगी जनता मन बना चुकी है। नेता प्रतिपक्ष रविवार को लखीसराय स्थित पार्टी के विधानसभा कार्यालय में जन कल्याण संवाद कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने नेता प्रतिपक्ष के समक्ष आवेदन देकर पुलिस थाना, जमीन विवाद एवं शिक्षा विभाग से जुड़े मामले से अवगत कराया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिले में थाना स्तर पर सीओ और थानाध्यक्ष द्वारा भूमि विवाद को लेकर आयोजित जनता दरबार में आए मामलों की समीक्षा डीएम-एसपी को करनी चाहिए।

इसकी जानकारी मीडिया के माध्यम से देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई ऐसा विभाग नहीं है, जहां भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी नहीं हो रही है।

हमने सदन में भी मुद्दा उठाया है। अधिकारी जनता की समस्या को सुनते नहीं हैं। हर जगह प्रशासनिक अराजकता कायम है।

सरकार अगर गंभीरता से नहीं लेगी तो आम जनता के साथ जनांदोलन शुरू करेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में बीजेपी की सरकार बनेगी तो सभी भ्रष्टाचारी और अपराधियों को बचाने वाले की फाइल खुलेगी।

राहुल गांधी के घर पहुंची पुलिस

» इस बयान पर होगी पूछताछ

दिल्ली,19 मार्च 2023 (ए)। राहुल गांधी के घर दिल्ली पुलिस पहुंची हुई है। कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के बयान पर दिल्ली पुलिस उनसे बात करने पहुंची है। दिल्ली पुलिस ने 16 मार्च को ही इस मसले पर राहुल गांधी को नोटिस दिया गया था, लेकिन राहुल की ओर से नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद आज उनके निवास पर दिल्ली पुलिस उनका जवाब जानने के लिए पहुंची।

यह है मामला

राहुल गांधी ने श्रीनगर में अपनी यात्रा भारत जोड़ो के आखिरी दिन बयान दिया था कि आज भी महिलाओं के साथ यौन शोषण हो रहा है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने 16 मार्च को राहुल गांधी को नोटिस दिया था और उनके बयान पर पूछा था कि वो कौन सी महिला है, जिन्होंने ऐसा कहा है। राहुल गांधी ये डिटेल्स दिल्ली पुलिस को दें। नोटिस मिलने के बाद राहुल गांधी ने इसका जवाब दिल्ली पुलिस को नहीं भेजा था, जिसके बाद आज सुबह दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी और डीसीपी राहुल गांधी के घर पहुंचे हैं।

इधर दिल्ली पुलिस के इस एक्शन के बाद कांग्रेस हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने पुलिस की इस कार्रवाई को गलत बताया है। कांग्रेस ने कहा कि केंद्र सरकार अडानी के संबंध में राहुल गांधी के द्वारा पूछे गए सवाल से परेशान है और इसी वजह से बार बार राहुल गांधी को परेशान किया जा रहा है, लेकिन राहुल गांधी केंद्र सरकार से नहीं डरने वाले है।

सिलसिलेवार घोटालों और मुद्दों पर विजयन निशाने पर

'पिनाराई बुलबुला' फूटने वाला है

तिरुवनंतपुरम ,19 मार्च 2023(ए)। पिनाराई विजयन का नाम केरल के सबसे लंबे समय तक लगातार मुख्यमंत्री रहने के बाद रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है। उन्होंने पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनाव जीता था और सी. अच्युता मेनन को हराया था, जिनके पास पहले 2,364 दिनों का रिकॉर्ड था।

घोटालों में शामिल होने के आरोपों और मुद्दों पर धीमी प्रतिक्रिया ने दूसरे कार्यकाल में विजयन के प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक गलियारों में सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ ने यह भी कहना शुरू कर दिया है कि 'पिनाराई बुलबुला' फूटने वाला है।

उनके कार्यकाल पर नजर डालें तो यह वह नहीं थे, जिन्होंने 2016 के विधानसभा चुनाव में चुनाव अभियान का नेतृत्व किया था। यह तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष वी.एस. अच्युतानंदन वामपंथियों के सबसे चर्चित प्रचारक थे।

वोटों की गिनती के बाद और वामपंथियों ने शानदार जीत हासिल की, विजयन उभरे और उन्होंने अच्युतानंदन को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर कर दिया।

अच्युतानंदन को रिझाने के लिए सीताराम येचुरी सहित पार्टी के राष्ट्रीय नेता दिल्ली से राज्य की राजधानी पहुंचे, जिन्होंने पलक्कड़ में मलमपुझा विधानसभा क्षेत्र से शानदार जीत हासिल की थी। अच्युतानंदन को कैबिनेट रैंक के साथ केरल प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष का पद दिया गया था। तब से लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार में और सीपीआई (एम) में भी केवल एक ही नेता रहा है और जो अंतिम शब्द भी है, और वह है विजयन।

नवंबर 2017 में जब ओखी लहरें राजधानी शहर के समुद्र तट से टकराई तो वह पहली बार लड़खड़ाए और लगभग 80 लोगों की जान जाने के बावजूद विजयन ने तुरंत क्षेत्र का दौरा नहीं किया। वह कई दिनों के बाद प्रभावित क्षेत्र में गए और उन्हें स्थानीय लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा और उन्हें सचमुच भगा दिया गया।

विजयन को भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है, सबसे पहले उनके पसंदीदा प्रोजेक्ट के-रेल पर, जिसका लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। 14 में से 11 जिलों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। परियोजना केंद्र से मंजूरी पाने में विफल रही है, लेकिन विजयन इस परियोजना पर आगे बढ़ने के लिए अड़े हैं।

अमृतपाल भगोड़ा घोषित,प्रदेश में हाई अलर्ट

चंडीगढ़/जालंधर,19 मार्च 2023 (ए)। खालिस्तान समर्थक और कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अमृतपाल को भगोड़ा घोषित कर दिया है। उसकी दो कारों को जब्त करने के साथ ही उसके गनरों को पकड़ा है। उनके हथियारों की वैधता की जांच की जा रही है।

पंजाब पुलिस ने शुरू किया राज्य स्तरीय तलाशी अभियान

जालंधर पुलिस कमिश्नर कुलदीप सिंह चहल के मुताबिक अमृतपाल सिंह को जल्द गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस के जवान जुटे हुए हैं। अब तक 78 लोगों को गिरफ्तार किया गया और गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पंजाब पुलिस के मुताबिक अमृतपाल के खिलाफ राज्य में बड़े पैमाने पर राज्यव्यापी तलाशी अभियान शुरू किया गया है। जबकि कई अन्य खालिस्तान समर्थकों को हिरासत में लिया गया है। अमृतपाल सिंह सहित कई अन्य फरार हैं और उन्हें पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। वारिस पंजाब दे संगठन का मुखिया अमृतपाल कुछ साथियों संग भाग निकला है। गिरफ्तार आरोपियों से एक .315 बोर की राइफल, सात 12 बोर की राइफल, एक रिवाल्वर और विभिन्न कैलिबर के 373 कारतूस बरामद हुए हैं।

अमृतपाल के भागने का वीडियो वायरल

इस बीच, पूरे पंजाब में हाई अलर्ट है। माहौल बिगड़ने की आशंका में पंजाब में रविवार दोपहर तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। अमृतसर, फाजिल्का, मोगा, बठिंडा और मुक्तसर समेत कई जिलों में धारा 144 लागू करने के साथ ही भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर से लगती पंजाब की सीमा को सील कर दिया गया है। अमृतपाल अजनाला थाने पर पुलिस पर हुए हमले में आरोपी है। अमृतपाल का कार में बैठकर भागते हुए का एक वीडियो भी सामने आया। कार में उनके एक सहयोगी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पुलिसकर्मी 'भाई साब' (अमृतपाल) के पीछे थे। एक अन्य समर्थक ने एक वीडियो साझा किया जिसमें वह दावा कर रहा था कि पुलिसकर्मी उसका पीछा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि अमृतपाल जालंधर की शाहकोट मलसियां रोड पर साथियों के साथ पहुंचा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने मौके से संस्था के सात लोगों को गिरफ्तार किया। इस बीच, अमृतपाल भाग निकला। उसके पीछे पुलिस की करीब 60 गाड़ियां लगीं थीं। पुलिस को पीछे देखकर उसका ड्राइवर गाड़ी लिंक रोड की तरफ मोड़कर भगा ले गया। जालंधर और मोगा पुलिस उसके पीछे लग गई। कई किमी पीछा करने के बाद भी पुलिस उसे दबोच नहीं पाई।

अमृतपाल पर दर्ज हैं तीन मामले

अमृतपाल पर दो मामले अमृतसर जिले के अजनाला थाने में हैं। अपने करीबी लवप्रीत सिंह की गिरफ्तारी से नाराज अमृतपाल ने 23 फरवरी को समर्थकों के साथ अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। उस पर कार्रवाई न होने से पंजाब पुलिस की काफी आलोचना हो रही थी। अमृतपाल पर आरोप था कि वह श्रीगुरुग्रंथ साहिब की आड़ लेकर थाने पहुंचा था और भीड़ को हमले के लिए उकसाया। इसके अलावा उस पर भड़काऊ भाषण देने का केस भी दर्ज है।

केदारनाथ धाम की यात्रा हुई महंगी

» तीन साल बाद हेली कंपनियों ने किराए में की इतने की बढ़ोतरी

देहरादून,19 मार्च 2023 (ए)। चारधाम यात्रा 2023 अगले महीने 22 अप्रैल से शुरू हो रही है। इसे लेकर सरकार और प्रशासन ने तैयारियों को लेकर अपनी कमर कस ली है। पिछले साल चारधाम यात्रा ने कई सारे रिकॉर्ड तोड़ कर नए रिकॉर्ड बनाये थे जिसे देखते हुए सरकार का मानना है कि इस साल होने वाली चारधाम यात्रा में बीते साल से भी ज्यादा यात्री आएंगे। इस बार चारधाम यात्रा के दौरान हेली सेवा से केदारनाथ धाम की यात्रा महंगी हो गई है। तीन साल बाद हेली कंपनियों ने किराये में बढ़ोतरी की है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने सिरसी और फाटा से चार कंपनियों को हेली सेवा संचालन के लिए चयन कर लिया है।

केदारनाथ धाम के लिए 70 प्रतिशत टिकटों की बुकिंग ऑनलाइन की जाती है, जबकि 30 प्रतिशत टिकट हेली कंपनियों के माध्यम से दिए जाते हैं। केदारनाथ धाम के लिए गुप्तकाशी, सिरसी, फाटा से हेली सेवा का संचालन किया जाता है। यूकाडा ने 2020 में नौ कंपनियों के साथ हेली सेवा संचालन के लिए अनुबंध किया था। 2022 में अनुबंध खत्म होने के बाद इस बार यूकाडा ने नये सिरे से हेली कंपनियों का चयन करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है।

फाटा व सिरसी हेलीपैड से चार कंपनियों को हेली संचालन का काम अवार्ड हो गया है। इसमें फाटा से पवन हंस, कैट्रल एविएशन और सिरसी से हिमालयन हेली, कैट्रल एविएशन के माध्यम से हेली सेवा संचालित की जाएगी। फाटा से केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा से आने-जाने का किराया प्रति यात्री 5500 रुपये और सिरसी से केदारनाथ के लिए 5498 रुपये तय किया गया है। पिछले साल की तुलना में फाटा से प्रति यात्री किराये में 780 रुपये और सिरसी से 818 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

चुनाव पूर्व कमलनाथ की बड़ी घोषणा

» कांग्रेस सरकार बनने पर 500 में मिलेगा गैस सिलेंडर

भोपाल,19 मार्च 2023 (ए)। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर वे प्रदेश की जनता को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देंगे। बता दे रविवार को पीसीसी चीफ कमलनाथ नरसिंहपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय का उद्घाटन कर रहे थे। तभी उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए यह बड़ी घोषणा की है।

पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ कमलनाथ मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के दौरे पर हैं। जहां आज उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान कमलनाथ ने जनता को संबोधित करते हुए रसोई गैस सिलेंडर को लेकर बड़ी घोषणा कर दी। कमलनाथ ने कहा कि आज मैं अपने पड़ोस के जिले से, इस पवित्र भूमि से और नर्मदा की भूमि पर घोषणा करता हूं कि हमारी सरकार बनने पर हम गैस का सिलेंडर ₹500 में देंगे। उन्होंने कहा कि मैं आपका पड़ोसी हूं और एक नेता के नाते नहीं, बल्कि एक पड़ोसी के नाते आप के पास आया हूं। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान मुझसे हिसाब मांगते हैं। वह 18 साल का हिसाब दें और मैं 15 महीने का हिसाब दे दूंगा। इस दौरान कमलनाथ ने भाजपा सरकार और शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी बड़े बयान दिए।

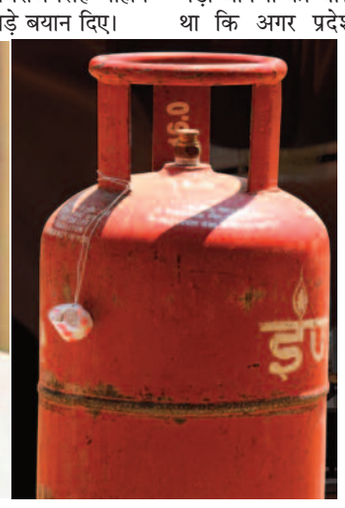

मध्य प्रदेश में साल के आखिरी में विधानसभा चुनाव होना है, ऐसे में सभी राजनीतिक पार्टियां प्रदेश की जनता को लुभावने में लगी हुई है। इससे पहले आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार बनती है तो वे प्रदेश में बिजली फ्री कर देंगे। वही वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले ही एक बड़ी योजना को चुनाव से पहले लागू कर चुके हैं। जिसका काम लगातार जारी है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना को लेकर सीएम शिवराज सिंह चौहान लगातार जनता के बीच जा रहे हैं। इस योजना के बहाने भाजपा सरकार प्रदेश की आधी आबादी को साधने में जुटी हुई है।

जोधपुर में मचा गैंगवार का आतंक

» हिस्ट्रीशीटर 'महाकाल' की नृशंस हत्या, आधा दर्जन लोगों ने चाकू-कुल्हाड़ी से किए वार

जोधपुर ,19 मार्च 2023 (ए)। सनसिटी जोधपुर एक बार फिर एक नृशंस हत्या से कांप उठी। जोधपुर में बीती रात गैंगवार एक हिस्ट्रीशीटर की दर्जनभर बदमाशों ने सड़क पर कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना पुलिस कमिश्नरेट वेस्ट राजीव गांधी पुलिस थाना क्षेत्र की है। करीब एक दर्जन बदमाशों ने घात लगाकर हिस्ट्रीशीटर रमेश ऊर्फ महाकाल पर जानलेवा हमला बोल दिया। इस हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद सभी हमलावर मौके से फरार हो गए। एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में सात-आठ लोगों को एक युवक को दौड़ाते हुए देखा गया। मामला राजीव गांधी नगर थाने के न्यू बॉम्बे योजना कॉलोनी का है।

सहायक पुलिस आयुक्त प्रतापनगर प्रेम धणदे ने बताया कि न्यू बोम्बे योजना कॉलोनी निवासी हिस्ट्रीशीटर रमेश उर्फ महाकाल की सात-आठ लोगों ने रंजिश के चलते चाकू-कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी। सीसीटीवी फुटेज के आधा पर हत्यारों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आरोपियों की तलाश की जा रही है। अभी तक कोई भी हत्यारा पकड़ा नहीं गया है।

पुलिस का कहना है कि मृतक महाकाल राजीव गांधी नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उसकी कई लोगों से रंजिश चल रही थी। बताया जा रहा है कि शनिवार रात कॉलोनी में उसका कुछ युवकों से झगड़ा हुआ। इस दौरान युवकों ने उसे घेर लिया और चाकू व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए महाकाल मौके से पैदल ही भागा। इसका फुटेज भी सामने आया है। हमलावरों की संख्या अधिक होने से वह अधिक दूर नहीं भाग पाया और पकड़ा गया। हमलावरों ने उसपर ताबड़तोड़ वार किए। खून अधिक बहने से उसकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। हमलावरों की पहचान और पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। एफएसएल को मौके पर बुलाया गया है।

तिरुचिरापल्ली में दर्दनाक हादसा

» वैन और ट्रक की भिड़ंत में बच्चे समेत 6 लोगों की मौत

तिरुचिरापल्ली 19 मार्च 2023 (ए)। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां एक वैन और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बच्चे समेत 6 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मिनीवैन में 9 लोग सवार थे।

इसमें 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। साथ ही घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों में चार पुरुष और एक महिला और एक बच्चा शामिल है। तीन घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लड़की ने किया 15 साल के लड़के के साथ दुष्कर्म

कोर्ट सुनाई ये सजा

इंदौर ,19 मार्च 2023 (ए)। क्या कभी आपने रेप केस में लड़की को सजा सुनाते सुना है। बिल्कुल नहीं न, लेकिन इंदौर कोर्ट ने लड़की को 10 साल की सजा सुनाई है। दोषी युवती किशोर को धोखे से अपने साथ गुजरात ले गई थी और वहां उसके साथ कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे। बता दें कि 5 नवंबर 2018 को एक महिला ने इंदौर के बाणगंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका 15 साल का बेटा 3 नवंबर 2018 को पास की दुकान पर खीर के लिए दूध लेने गया था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वह घर नहीं लौटा।

महिला ने बेटे को आसपास और रिश्तेदारों के यहां भी काफी तलाश किया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद महिला ने अपने बेटे के बहला-फुसलाकर अगवा किए जाने की आशंका जताते हुए पुलिस से उसे ढूंढने की गुहार लगाई थी। इसके बाद पुलिस लापता किशोर की तलाश में जुट गई थी। कुछ दिन बाद पुलिस ने उस किशोर को ढूंढ निकाला, तब उसके साथ एक युवती भी पकड़ी गई थी।

पुलिस ने किशोर से पूछताछ की तो उसने बताया कि राजस्थान की रहने वाली 19 वर्षीय युवती उसे धोखे से अपने साथ गुजरात ले गई थी। वहां उसने किशोर को टाइल बनाने की फैक्ट्री में नौकरी पर लगा दिया था। पीड़ित किशोर ने बताया कि वह युवती उसे बार-बार

शारीरिक संबंध बनाने के लिए भी मजबूर करती थी। लड़के ने बताया कि वो अपने घरवालों से बात न कर सके, इसके लिए उसका मोबाइल फोन भी वह युवती अपने पास ही रखती थी।

पीड़ित लड़के के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने लड़की का मेडिकल टेस्ट कराया और जब युवती पर लगे आरोपी की जांच की तो वो भी सही पाए गए।

जिला अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि इस युवती ने नाबालिग लड़के को फोन किया था कि मेरा घरवालों से झगड़ा हो गया, तुम मेरे साथ चलो। वो नाबालिग को बहला फुसलाकर गुजरात ले गई और उसे किसी कंपनी में काम पर लगा दिया। युवती वहां किशोर को लेकर किराए के मकान में रहती थी और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालती थी। जिला अभियोनज अधिकारी ने बताया कि यह पहला मामला है कि जब किसी लड़की को पॉक्सो एक्ट के तहत सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने 15 मार्च को इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुए दोषी युवती को 10 साल के कठोर कारावास और तीन हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। इसके साथ कोर्ट ने पीड़ित किशोर को 50 हजार रुपये प्रतिकर राशि के रूप में दिलाए जाने की अनुशंसा भी की है।

संपादकीय

डीकेएस बनाम देवगौड़ा

कर्नाटक में अगले कुछ दिन में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। उससे पहले कांग्रेस नेताओं का एक समूह एचडी देवगौड़ा परिवार की पार्टी जेडीएस के साथ तालमेल की कोशिश में लगी है। लेकिन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार कांग्रेस को जेडीएस से दूर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। जेडीएस में भी कुछ ऐसी ही सोच है।

उधर भी देवगौड़ा परिवार अपना विकल्प खोल कर रखना चाह रहा है। उसके लग रहा है कि इस बार कांग्रेस की स्थिति बेहतर हुई तो फिर त्रिशंकु विधानससभा बनेगी, जिसमें वह कांग्रेस और भाजपा दोनों से मोलभाव कर सकती है। ध्यान रहे देवगौड़ा परिवार और शिवकुमार परिवार में पुराना झगड़ा है। दोनों वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं और दोनों का क्लेम इस समुदाय के वोट पर है।

जेडीएस से तालमेल का विरोध करके शिवकुमार यह साबित करना चाहते हैं कि उनकी वजह से वोक्कालिगा कांग्रेस को वोट करेगा और इस लिहाज से मुख्यमंत्री के दावेदार होंगे। अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए वे देवगौड़ा परिवार से सीधी टक्कर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि वे अपने सांसद भाई डीके सुरेश को विधानसभा चुनाव लड़ाएंगे। शिवकुमार ने इसके लिए रामनगर विधानसभा सीट की पहचान की है, जहां से एचडी कुमारस्वामी के बेटे निखिल ने चुनाव जीता है।

सोचें, कर्नाटक में कांग्रेस का सिर्फ एक लोकसभा सांसद हैं और वो हैं डीके सुरेश। उनको एचडी देवगौड़ा के पोते के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ाने की डीके शिवकुमार की तैयारी क्या इशारा करती है! यह वोक्कालिगा वोट कांग्रेस की ओर लाने का आक्रामक दांव है लेकिन इससे सिद्धरमैया समर्थक ओबीसी वोट बिदक भी सकता है, जो संख्या में ज्यादा है।

कर्नाटक में मुफ्त की रेवड़ियों का पिटारा

कर्नाटक में कांग्रेस चुनाव पूर्व घोषणाओं में सबको मात देती लग रही है। कांग्रेस ने मुफ्त की रेवड़ियों का पिटारा खोला है। उसकी घोषणाओं से आम आदमी पार्टी के नेता भी हैरान परेशान हैं। भाजपा तो बैकफुट पर है ही। चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस नेता हर दूसरे या तीसरे दिन कोई नई घोषणा कर रहे हैं। इतना ही नहीं कांग्रेस ने ऐलान किया है कि वह गारंटी पत्र देगी। पार्टी की ओर से दस्तखत किया गया एक गारंटी पत्र सभी नागरिकों को दिया जाएगा, जिसमें लिखा होगा कि कांग्रेस अपना वादा पूरा करेगी। आम नागरिकों को यकीन दिलाने के लिए कांग्रेस गारंटी पत्र दे रही है।

कांग्रेस ने मुफ्त की रेवड़ियों की घोषणा में सबको पीछे छोड़ दिया है। पार्टी ने सभी वयस्क महिलाओं को दो हजार रुपया महीना देने का ऐलान किया है। सोचें, अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में हर महिला को एक हजार रुपया देने का ऐलान किया था। उसके बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने हर महिला को डेढ़ हजार रुपया देने का ऐलान किया। अब कर्नाटक में कांग्रेस ने दो हजार रुपए का ऐलान किया है। इसके अलावा कांग्रेस अन्न भाग्य योजना के तहत हर गरीब परिवार को हर महीने 10 किलो अनाज देगी। ध्यान रहे पिछले तीन साल से केंद्र सरकार भी 10 किलो अनाज दे रही थी लेकिन अब वह पांच किलो ही अनाज दे रही है।

कांग्रेस ने चुनाव जीतने के बाद राज्य के लोगों को शिरडी और तिरूपति की मुफ्त यात्रा का भी ऐलान किया है। इसके अलावा दो सौ यूनिट फ्री बिजली देने का वादा भी किया गया है। कांग्रेस ने प्रेशर कुकर, बरतन और एलआईसी का प्रीमियम भरने तक का वादा किया है।

मुद्दा:विनाश की नींव पर विकास अनुचित

यूं तो सृजन और विध्वंस प्रकृति की अनवरत चलने वाली प्रक्रियाएं हैं, और सत्य तो यह है कि ये दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं।

बिना सृजन के विध्वंस का कोई अर्थ नहीं एवं विध्वंस के बगैर नवीन सृजन की कल्पना करना भी असंभव है। पृथ्वी पर मानव सभ्यता ने शनैः शनैः विकास के शिखरों को स्पर्श करना आरंभ किया। पुरापाषाण काल में पत्थरों को रगड़कर आग के आविष्कार एवं नवपाषाण काल में स्थाई निवास की प्रवृत्ति से लेकर वर्तमान में पृथ्वी से बाहर अंतरिक्ष में अपने कदम रखने के अनवरत प्रयासों तक, यदि समय के साथ मानव विकास के ग्राफ का अवलोकन किया जाए तो निष्कर्ष यह निकलता है कि मानव ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति की है।

वृक्षों एवं कंदराओं से लेकर बहुमंजिला इमारतों तक, फल, फूल, पत्ती से लेकर स्वादिष्ट व्यंजनों तक, अशिक्षा से लेकर उच्च स्तरीय तकनीकी तक, पदयात्रा से लेकर वायुयान के सफर तक, जीवन के किसी भी क्षेत्र को देखा जाए तो प्रत्येक में विकास एवं प्रगति के द्वारा जमीन से आसमान तक का सफर दृष्टिगोचर होता है। वर्तमान परिदृश्य की बात की जाए, तो विज्ञान एवं तकनीकी की मदद से मानव निरंतर आगे बढ़ रहा है। किंतु एक विचारणीय एवं चिंतनीय प्रश्न यह उठता है कि विकास की इस द्रुतगति की नींव आखिर कैसी है। मानव सभ्यता के शुरु आती चरणों में विकास को आवश्यकता के द्वारा गति प्रदान की गई। आग, भोजन आवास इत्यादि मानव की आवश्यकताएं थीं, लिहाजा यदि इनकी दिशा में हुई प्रगति को विकास की संज्ञा दी जाए तो वह विकास जरूरतों पर आधारित था। किंतु वर्तमान का परिदृश्य बिल्कुल अलग है। कटु सत्य यह है कि जिन उपलब्धियों को हम विकास की श्रेणी में रखते हैं, उनके पीछे आवश्यकता के स्थान पर स्वार्थ, लोभ, प्रतिद्वंद्विता, दिखावटीपन एवं अनावश्यक शौक जैसे कारक उत्तरदायी हैं।

नतीजा यह है कि आधुनिक विकास कहीं न कहीं विनाश की नींव पर खड़ा है। प्रकृति ने मानव को धरती मां की गोद के रूप में संसाधनों का एक अतुलनीय एवं असीमित भंडार प्रदान किया। किंतु मानव ने उन्हीं संसाधनों का अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए अनियंत्रित दोहन शुरू कर दिया। उदाहरण के तौर पर, आज कृषि योग्य भूमि को आवासीय भूमि में तब्दील करके कॉलोनी का निर्माण करने का फैशन बहुत जोरों पर है। दोमंजिला मकानों, उद्यान, शॉपिंग कांपलेक्स आदि छद्म सुंदरताओं से युक्त कॉलोनी वस्तुतः कृषि भूमि के विनाश की नींव पर ही खड़ी होती है। आज मानव की प्रवृत्ति एक से अधिक आवास बनाने की है क्योंकि कहीं न कहीं उसकी मानसिकता व्यवसायोन्मुखी हो चुकी है।

सड़क मार्गों का चौड़ीकरण हो रहा है जिसके लिए सड़क के किनारे लगे वृक्षों को बिना विचारे काटा जा रहा है। निश्चित रूप से एक बेहतरीन चौड़ा सड़क मार्ग तैयार तो होगा, किंतु यदि यह विकास है तो हमें इतना निश्चित रूप से ध्यान रखना चाहिए कि यह विकास कटे हुए वृक्षों की चीत्कार की नींव पर आधारित होगा। शहरीकरण की अंधी होड़ जंगलों, खेतों और खलिहानों को समाप्त कर रही है। प्राकृतिक संसाधनों के साथ खिलवाड़ करने में मानव सीमा को लांघ चुका है। औद्योगीकरण और शहरीकरण की दौड़ के चलते भूजल के अतिदोहन के कारण जल संकट की भीषण समस्या मुंह खोलकर सामने खड़ी है। कारखानों से निकलने वाली विषैली गैसें और धुंआ वायु को किस हद तक प्रदूषित कर रहा है, इसका अंदाजा तक लगा पाना मुश्किल है। खास बात यह है कि उसी दूषित हवा में लाखों की आबादी सांस लेने को विवश है। हम बड़े शहर की किसी कॉलोनी में अपना आवास बनाने को ही विकास समझने की झूठी खुशी में पागल हो चुके हैं। प्रकृति को चोट पहुंचाकर एवं बहुमूल्य संसाधनों का विनाश करके झूठी शानशौकत व दिखावटीपन को विकास समझना मानव की सबसे बड़ी भूल है।

इतना तय है कि जब प्रकृति बदला लेगी तो उसमें कहीं पर भी क्षमा याचना की गुंजाइश नहीं होगी। हाल ही में जोशीमठ में आई भीषण आपदा से हम सब भलीभांति परिचित हैं। यदा-कदा भूकंप, बादल फटना, भूमि का धंसाव, भूस्खलन इत्यादि सभी प्रकृति के द्वारा मानव को दी गई चेतावनियां हैं। हमें चाहिए कि हम अंधी दौड़ को बंद करके आवश्यकता की नींव पर ही विकास की इमारत को खड़ा करें। यदि हमारे लिए एक मकान पर्याप्त है तो दिखावटीपन के वशीभूत होकर हम चार मकान खरीदने की कोशिश कदापि न करें। जो भूमि हमें अन्न देती है और हमारा पेट भरती है, जो जंगल एवं पेड़ पौधे हमारे लिए अगणित प्रकार से उपयोगी हैं, उनका नाश करके हम विकास करने का प्रयास कदापि न करें। यदि हम समय रहते सचेत न हुए, तो एक समय ऐसा आएगा जब हमें केवल ऊपर का विकास दिखाई देगा किंतु उसके भीतर विनाशजनित आपदाओं का एक ज्वालामुखी सुषुप्त अवस्था में होगा जो निसंदेह कभी भी फट पड़ेगा।

शिशिर शुक्ला

जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं

» आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें

» स्थितियों परिस्थितियों से निपटकर सफ़लता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है।

» हर परिस्थिति का सामना करने के लिए मनुष्य को मानसिक मज़बूती और संतुलित विचारधारा चाहिए

वैश्विक स्तरपर खुशियों या सकारात्मक परिस्थितियों में तो हर व्यक्ति जीवन जीनें को आतुर रहता है, परंतु सृष्टि का यह नियम है कि हमेशा ऐसा नहीं होता, जीवन का चक्र घूमते रहता है। यदि आज सकारात्मक परिस्थितियां हैं तो कल नकारात्मक परिस्थितियां भी आनी ही है! जिससे हमें मुकाबला कर आगे बढ़ना है और स्थितियों पर परिस्थितियों से निपट कर सफलता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। जो खुद में स्थिर होते हैं, हर परिस्थितियों से लड़ते हैं, वही अपने जीवन में इतिहास रखते हैं। क्योंकि जब हम निर्भीकता से विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होंगे त्योंहि विपत्तियां दुम दबाकर भाग खड़ी होगी। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से विभिन्न विचारों को समाहित करते हुए चर्चा करेंगे,आओपरिस्थितियों से लड़ कर इतिहास रचें।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीवन में परीक्षा की घड़ी की करें तो अनुकूल परिस्थितियों में तो सभी सटीकता से जीवन यापन करने और अपने आप को सुदृढ़ और सुलझा हुआ कहने लगते हैं परंतु असली व्यक्तित्व और सटीकता का पता तो तब चलता है जब विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिरता के से मुकाबला कर उन्हें अनुकूल बनाकर इतिहास रचते हैं। असल में हमें विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत रखना और जिंदगी में जो भी परिस्थितियां हो उसका डटकर सामना करना हमारी जिंदगी में जो भी समस्या हो उन समस्याओं का हल निकालना और उन समस्याओं का हल निकालते और लड़ते-लड़ते मर जाना बेहतर है। किसी भी समस्या से भागना नहीं चाहिए विकट परिस्थितियों में जूजते रहेंगे तो हमारी समस्याओं का हल अपने आप निकलता रहेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए समस्याओं का निराकरण भी लाएंगे और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श भी बनेंगे जो लोग समस्याओं से लड़ते हैं और उसका हल निकालते हैं और डरते नहीं है, वही लोग महान हैं।

साथियों बात अगर हम सटीक कहावत मानव परिस्थितियों का दास होता है और उस दास शब्द को अस्वीकार करने की करें तो, मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए हमें सर्वप्रथम उन वजहों को समझने का प्रयास करना चाहिए जिनके चलतेये परिस्थितियाँ पैदा हुईं।परिस्थितियों पर बारिकी से नजर रखते हुए सब्रके साथपरिस्थितियों का सामना करने का प्रयास करना चाहिए,जो परिस्थितियाँ हमारे बस में ना हों उनके लिए अधिक चिंतित हम ना हों । वे समय के साथ खुद ब खुद सामान्य हो जाएँगी। हर हालत में धैर्यवान बने रहकर ईश्वर अल्लाह (समय) पर भरोसा करना चाहिए।समय से बलवान कोई नहीं।चाहे कितनी भी मुश्किल परिस्थिति हो समय बीतने के साथ-साथ मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों को बदलकर सामान्य होते देर नहीं लगतीं।कितना भी गहन अंधकार वाली रात्रि हो कुछ पलों में सूर्योदय अवश्यंभावी है।

साथियों वह नियति हो या फिर परिस्थिति कोई फर्क नहीं पड़ता और जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं। जिस तरह से हम अच्छे वक्त को संभालना बचपन से जानते हैं, उसी तरीके से हमें बुरे वक्त को भी संभालना सीखना चाहिए किस तरीकेसे हम इनको संभाले कि यहपरिस्थितियां कभी भी हमारे जीवन में ऐसी परिस्थिति ना क्रिएट करें की हम टूट कर बिखर जाएं यदि टूट कर बिखर भी जाएं तो स्वयं को जोड़कर पुनःखड़ा होने की हिम्मत अपने अंदर रखनी चाहिए। जीवन में जीवन से ज्यादा कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं होता परंतु अक्सर देखा जाता है कि इंसान छोटी-छोटी बातों को लेकर के भी आत्महत्या कर लेता है या फिर कोई ऐसा कदम उठा लेता है जिसकी हम कल्पना भी नहीं करते इन्हीं सब से निपटने के लिए हमें स्वयं को मानसिक रूप से सबल बनाना होता है।

साथियों बात अगर हम विपरीत परिस्थितियों को हावी ना होने देने की करें तो, जब भी हम अपने जीवन में कमजोर होते हैं, चाहे वह कमजोरी शारीरिक होआर्थिक हो या मानसिक हो,उस वक्त हमारा मन दुर्बल होता है तथा हम परिस्थितियों से संघर्ष करने में कमजोर होते हैं। अतः ऐसी स्थिति में हमारे ऊपरपरिस्थितियों को हम हावी होने देते हैं यदि हम चाहते हैं कि हमारे ऊपर परिस्थितियां हावी ना हो तो हमको अपने आप को मानसिक रूप से बहुत सफल बनाए रखना होगा। जिंदगी में कहीं बार ऐसे पड़ाव, वक्त आता हैं कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं समझ में ही नहीं आता,उस परिस्थितियों में हमको सब्र रखना हैं, खुद से बातें करना हैं, खुद को एकांत में लाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यहीं वह समय हैं जब हम खुद कों समझ सकते हैं, हमारे अंदर रहा सामर्थ्य को पहचान सकते हैं, हमारी क्षमता को समझ सकते हैं,और जरूरी हैं सकारात्मक बने रहना। प्रतिकूल परिस्थितियों में अगर हमारा अपने दिल और दिमाग पर काबू है तो हमको किसी की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी तो सबसे पहले हमको स्ट्रांग रखने के लिए अपने दिल और दिमाग को अपने काबू में रखना पड़ेगा अगर वह काबू में आ गए तो हम किसी भी परिस्थिति का सामना कर पाएंगे।

साथियों बात अगर हम खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदलकर इतिहास रचने की करें तो, हमें ऐसे व्यक्ति बननां है जो परिस्थितियों के अनुसार खुद नही बल्कि खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदल डाले इसलिए पुनःप्रयास करें और तब तक करते रहें जब तक हम उस परिस्थिति को बदल न दे। हमें अपनी परिस्थिति को सुधारने का भरसक प्रयत्न करना और उसके मार्ग में आने वाले संकटों का धैर्यपूर्वक मुकाबला करना चाहिए ,पर यदि प्रयत्नों के बावजूद हमारी आकाँक्षा और इच्छाओं के अनुसार हमारी परिस्थिति में किसी अज्ञात कारणवश शीघ्र वाँछित परिवर्तन या सुधार नहीं होता है, तो हमें घबराकर प्रयत्नों को नहीं छोड़ देना चाहिए बल्कि दुगने उत्साह के साथ हमें अपने उद्देश्य-प्राप्ति में जुटे रहना चाहिए। ऐसे समय में हमें अपने आत्म मित्र एवं हितचिंतकों से इस विषय में परामर्श और मार्गदर्शन प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए संभव है उनकी सूझबूझ और सहायता से हमारे संकट का निवारण हो जाए। समस्या को हम अपने परिवार के सदस्यों के सन्मुख उपस्थित कर उनकी सलाह भी ले सकते है। इस प्रकार हमें कहीं न कहीं से ऐसे प्रेरक विचार मिल जायेंगे, जिनके द्वारा हम अपनी परिस्थितियों को बदल सकेंगे।

साथियों जीवन एक संग्राम है। इसमें वही व्यक्ति विजय प्राप्त कर सकता है, जो या तो परिस्थिति के अनुकूल अपने को ढाल लेता है या जो अपने पुरुषार्थ के बल पर परिस्थिति को बदल देता है। हम इन दोनों में से किसी भी एक मार्ग का या समयानुसार दोनों मार्गों का उपयोग कर जीवन-संग्राम में विजयी हो सकते हैं। परिस्थितियां बनती-बिगड़ती रहती है।ऐसे में विपरीत परिस्थितियों से कभी नहीं घबराएं।उनके साथताल-मेल बिठाएं और मन में धैर्य को स्थान दे।अपने अंदर करुणा,दया, प्रेम, आत्मीयता एवं सहानुभूति जैसे सद्गुणों का विकास करें।सात्विक विचारों के साथ-साथ सोच को सकारात्मक बनाएं,सत्कर्म को बढ़ावा दे।परिस्थितियां अपने आप अनुकूल बनती चली जाएगी।विकट परिस्थितियां हमारे संघर्ष को और पक्का करती हैं। स्वयं पर विश्वास रख कर आगे बढ़े, हर समय आप रो नहीं सकते हैं। हमको उन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना होगा।

धीरज, धर्म,मित्र,अरु नारी।आपतिकाल परखिए चारी॥

रामायण की इस चौपाई को हम अहर्निश ध्यान में रखते हुए आने वाली हर मुसीबत का निर्भीकता और दृढ़ता के साथ सामना कर सकते है। आप देखेंगे कि ज्यों ही हम विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होंगे, त्यों ही विपत्तियाँ दुम दबाकर भाग खड़ी होंगी, संकटों के सब बादल छँट जाएंगे और परिस्थिति निष्कंटक होकर हमारे लिए अनुकूल हो जायगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं।आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें।स्थितियों परिस्थितियों से निपटकरसफ़लता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। हर परिस्थिति का सामना करने के लिए मनुष्य कोमानसिक मज़बूती और संतुलित विचारधारा चाहिए।

आज जो लोग आप पर हस रहे हैं हसने दीजिये, क्योंकि बुरा वक़्त उनका भी आएगा, और आंखों से आसू उनके भी जरूर बहेगा।

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

बच्चे श्वेत कपास

कपट नहीं है हृदय में,
नहीं किसी से बैर।
बच्चे समता साधते,
क्या अपने क्या गैर।।
गिरि कानन में ज्यों खिले,
मोहक मृदुल पलाश।
जग उपवन में हैं उगे,
बच्चे श्वेत कपास।।
बच्चे कलरव जब करें,
उपजे जग संगीत।
अम्बर से नित ज्यों झरे,
बारिश बूँदें गीत।।
पल-पल में हैं रूठते,
पल में करते मेल।
बच्चे गागर मधु भरी,
देते प्रेम उड़ेल।।
बच्चे शीतल चाँदनी,
बच्चे कच्ची धूप।
बच्चे नेह गुलाब जल,
बच्चे मोहक रूप।।

प्रमोद दीक्षित
मलय बाँदा
उत्तरप्रदेश

जिंदगी एक जंग है

जिंदगी एक जंग है,मुकाबला तो
करना पड़ेगा
मुशीबत भी यहाँ आएंगे,उनसे
निपटना पड़ेगा।
खुशियों के लिए दर्द का अहसास
करना पड़ेगा
लाखों दर्द दीवार आएंगे उसको
झेलना पड़ेगा।
जिंदगी एक चुनौती है, स्वीकार
करना पड़ेगा
चुनौती में ही चमत्कार है यह
समझना पड़ेगा।
खुशियाँ यूँ ही नहीं आती, कुछ
खपना पड़ेगा
कुंदन बनने के लिए,तो आग मे
तपना पड़ेगा।
कुछ पाने के लिए, कुछ न कुछ
खोना पड़ेगा
अभी न सही,कभी तो प्रारम्भ
करना पड़ेगा।
जिंदगी के लिए, जिद बरकरार
रखना पड़ेगा
हौसलों से हालात बदलेंगे यकीं
करना पड़ेगा।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

जग चलता भोले से

हम-भी भोले तुम-भी भोले,
जग चलता है भोले से,
नाम लिया करते हैं भोले,
दिल धड़का है होले से।
हम-भी भोले ....
कहीं किसी के मन में शंका,
बीज नहीं बननें देते,
भार जो लेते हैं दुनिया का,
भोले ही सब हर लेते।
हम-भी भोले .....
दिल की बात समझ लेते हैं,
ऐसे हैं अंतर्यामी,
भूल से भी भूला नहीं करते,
जन-जन के संसार हैं भोले।
हम-भी भोले ...
देवों के भी देव हैं भोले,
सब को हर्षाया करते,
आसमान से धरा के सारे,
करतब दिखलाया करते।
हम-भी भोले ....
हम-भी तो हैं अंश भोले के,
फिर क्यूं घबराया करते,
मिला है जीवन भोले से तो,
पार करें बस हंस कर के।
हम-भी भोले ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर मध्यप्रदेश

कामकाजी लड़कियाँ :परतंत्रता की भेंट ना चढ़े

प्यार और शादी के प्रति कामकाजी लड़कियों का नजरिया थोड़ा अलग होता है। बाहर की दुनियाँ उन्हें प्रैक्टिकल बनाने को उकसाती है, लेकिन अंदरूनी तौर पर वे इमोशनल ही होती है और यह बात उन्हें उलझाती है। अपने घर परिवार को छोड़ने वाली कई लड़कियाँ आँखों में नए और अनबुझे सपने लेकर शहरों की ओर रुख करती हैं। यहाँ उनके लिए जिंदगी बिताना एक और मुश्किल होता है तो जीवन के कई नए पहलुओं से भी उनका साक्षात्कार होता है। कुछ साल पहले तक तो स्थिति काफी अलग थी पर अब बाजारीकरण के इस युग में स्थिति बदली है और बेहतरी के लिए बदली है। पढ़ाई में अव्वल आना, खुद का ध्यान रखना, भोजन का प्रबंध करना जैसे कई मुद्दों को अकेले झेलती इन लड़कियों के जीवन में कब प्यार का अंकुर सहज तौर पर फूट पड़ता है, खुद उन्हें नहीं पता चलता। सपनों को पूरा करने की कोशिश में सहपाठी के दोस्ताना व्यवहार को कई तो प्यार समझ कर भूल कर बैठती हैं। दरअसल उन्हें समझ नहीं आता है कि दोस्ती और प्यार के बीच की सीमा रेखा क्या है? लड़कियों को बचपन से यह करो! वह करो! मत करो! कहकर बंधन में रखा जाता है। ऐसे में अचानक शहरों में आ जाने पर उन्हें अकेला सा महसूस होता है। बसों की भीड़, सड़क पार करने में मुश्किल, बस में चढ़ते ही भीड़ के कारण उल्टी इन सब परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह ही नहीं इन लड़कियों को लगता है कि यह हर पहलू से अन्य लड़कियों से कम है क्योंकि उनके ड्रेस को लेकर लोग फब्तियां कसते हैं उन्हें सीधे-सीधे बहन जी से संबोधित किया जाता है। बुरा तब ज्यादा लगने लगता है जब लड़कियाँ ही लड़कियों के साथ मिलकर ऐसे कमेंट करने लगती है। कई बार कुछ लड़के इसका फायदा उठाते हैं और कोने में सिमटी दुबकी लड़की से दोस्ताना व्यवहार बनाकर उसका लाभ उठाने की कोशिश करते हैं जैसा कि फिल्मों में दिखाया जाता है। इस से अच्छा है कि लड़कियाँ अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें और दोस्त बनाएं तो सोच समझकर। यह भी ना सोचे कि आप छिन्न भिन्न अलग-थलग होकर रह लेंगी और केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगी, बल्कि आपका सामाजीकरण होना भी जरूरी है। प्यार जैसी कोमल भावना की वजह से कई बार वे स्वाभिमान से समझौता कर लेती हैं, जो बिल्कुल गलत है। फिर भी यदि कोई लड़की दोस्ती की रेखा को पार करके प्यार कर बैठती है और उसे प्यार में छलावा मिलता है तो लोक लाज के भय से चुप रहने की कतई जरूरत नहीं है। पहले यदि किसी लड़की के साथ कोई छलावा होता था या कोई परेशानी पैदा होती थी तो वह घुटकर रह जाती थी, लेकिन आज यदि किसी के साथ प्रेमप्रसंग में धोखा होता है, किसी तरह की छेड़खानी होती है तो उसे मुद्दे की तरह उठाना चाहिए। समाज जागरूक हो रहा है आज स्टडी सर्कल में लड़कियाँ और लड़के बराबरी से शामिल होते हैं उनमें दोस्ताना व्यवहार होता है। बिना मतलब की रूमानियत नहीं होनी चाहिए, बल्कि सकारात्मक विकास होना चाहिए। यह भी उतना ही सच है कि सपनों पर अंकुश लगाना सहज नहीं, यदि कोई लड़का पसंद है और वह उसे शादी भी करना चाहती है तो घर में बताएं। मां पापा को समझाएं कि सहपाठी इतनी जल्दी नौकरी कहां से कर सकता है? लड़की को खुद यह समझना चाहिए कि जिस तरह से नौकरी में प्रोबेशन पीरियड होता है, ठीक उसी तरह से प्रेम में भी प्रोबेशन पीरियड होता है। यदि लगता है कि पूरी जिंदगी उसके साथ बिताई जा सकती है तो ठीक है, वरना इंतजार करिए। बाहर रहने पर लड़कियाँ थोड़ी खुल जाती हैं, इस खुलेपन को सब को समझना चाहिए। फिर चाहे वह माँ-पिता हो या पति। हमारा समाज विकसित हुआ है, लड़कियाँ स्वतंत्र हुई है एक हद तक निर्णय लेने का अधिकार भी मिला है। प्यार और शादी जैसे मसलों पर परिपक्व सोच का परिचय देने से स्थितियां और भी बेहतर होंगी।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

जरूरी है प्रकृति संतुलन के लिए गौरैया का संरक्षण

स्वयं को परिस्थितियों के अनुकूल बना लेने वाली नन्हीं सी प्यारी गौरैया दो दशक पहले तक हर कहीं झुंड में उड़ती देखी जाती थी लेकिन अब यह एक संकटग्रस्त और दुर्लभ पक्षी की श्रेणी में आ गई है। भारत के अलावा यूरोप के कई हिस्सों में भी इनकी संख्या काफी कम रह गई है। तेजी से लुप्त होती गौरैया को नीदरलैंड में तो 'दुर्लभ प्रजाति' की श्रेणी में रखा गया है। जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, चेक गणराज्य इत्यादि कुछ अन्य देशों में भी गौरैया की संख्या तेजी से घट रही है। पश्चिमी देशों में इनकी आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। दुनियाभर में गौरैया की कुल 26 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से पांच भारत में मिलती हैं लेकिन अब इनके अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स' ने भारत सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में भी कई अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला है। 'रेड लिस्ट' में उन जीव-जंतुओं या पक्षियों को डाला जाता है, जिन पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा होता है। भारतीय उपमहाद्वीप में गौरैया की कुल छह प्रजातियां हाउस स्पैरो, स्पेनिश स्पैरो, डैड सी अथवा अफगान स्क्रब स्पैरो, ट्री स्पैरो अथवा यूरेशियन स्पैरो, सिंध स्पैरो तथा रसेट अथवा सिनेमन स्पैरो पाई जाती हैं। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक भारत में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी के आसपास कमी आई है। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के एक सर्वेक्षण के अनुसार गौरैया की संख्या आंध्र प्रदेश में करीब 80 फीसदी तथा केरल, गुजरात, राजस्थान जैसे राज्यों में 20 फीसदी तक कम हो चुकी है। इसके अलावा तटीय क्षेत्रों में इनकी संख्या 70 से 80 फीसदी तक कम होने का अनुमान है। केन्द्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय का भी मानना है कि देशभर में गौरैया की संख्या में निरन्तर कमी आ रही है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि अगर गौरैया के संरक्षण के लिए समय रहते ठोस प्रयास नहीं किए गए तो संभव है कि नन्हीं सी चिड़िया गौरैया इतिहास का प्राणी बनकर रह जाए और हमारी आने वाली पीढ़ियों को इसके दर्शन केवल गूगल या किताबों में ही हो पाएं। दरअसल हम पर्यावरण के साथ जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि हमने धरती, जल, वायु प्रकृति के इन सभी तत्वों को इस कदर प्रदूषित कर दिया है कि इसका दुष्प्रभाव अब मनुष्यों के अलावा धरती पर विद्यमान तमाम जीव-जंतुओं और पशु-पक्षियों को भुगतना पड़ रहा है। गौरैया की तेजी से घटती संख्या को देखते हुए गौरैया के अलावा शहरी वातावरण में रहने वाले आम पक्षियों के संरक्षण के प्रति भी जागरूकता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2010 से प्रतिवर्ष 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाया जाता है। गौरैया की तेजी से घटती संख्या को देखते हुए दिल्ली सरकार द्वारा इसे वर्ष 2012 में राज्य-पक्षी घोषित कर दिया गया था, बिहार का भी यह राजकीय पक्षी है। पिछले दो-ढ़ाई दशकों में हमारी जीवनशैली में बहुत बदलाव आया है। अपने निहित स्वार्थों के चलते हमने जंगल उजाड़ दिए, प्रकृति का संतुलन चक्र बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे जीव-जंतुओं और पक्षियों की अनेक प्रजातियों को मारकर, उनका शिकार करके या उनके आशियाने उजाड़कर उनके अस्तित्व पर संकट पैदा कर दिया है। एक समय था, जब सुबह आंख खुलते ही गौरैया की चहचहाहट सुन हमारे दिलोदिमाग को एक अजीब सा सुकून मिलता था किन्तु अब यह चहचहाहट कहीं गायब हो गई है।

पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाशित अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें में गौरैया को लेकर मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि भोजन तथा पानी की कमी, पक्के मकान बनने से घोसलों के लिए उचित स्थानों की कमी, तेजी से कटते पेड़-पौधे, हमारी बदलती जीवनशैली, मोबाइल रेडिएशन का दुष्प्रभाव, तापमान में लगातार होती बढ़ोतरी इत्यादि कई ऐसे प्रमुख कारण हैं, जो गौरैया की विलुप्ति का कारण बन रहे हैं। खेतों में कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से भी इनके अस्तित्व पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। पर्यावरणविदों के मुताबिक गौरैया काकून, बाजरा, धान, पके हुए चावल के दाने इत्यादि खाती है किन्तु अत्याधुनिक शहरीकरण के कारण उसके प्राकृतिक भोजन के स्रोत खत्म होते जा रहे हैं, उनके आशियाने उजड़ रहे हैं। पेड़-पौधे लगातार तेजी से कट रहे हैं और नए जमाने के बन रहे घरों में गौरैया के घोंसले बनाने की जगह ही नहीं रही है। शहरों की बात छोड़िये, अब ग्रामीण इलाकों में भी घर बनाने के तरीके बदल गए हैं, जिससे गौरैया के लिए घोंसले बनाने की जगह खत्म सी गई हैं। अब शहर हों या गांव, हर कहीं हजारों की संख्या में मोबाइल फोन के लिए बड़े-बड़े टावर लगे हैं। इन टावरों से निकलने वाला रेडिएशन गौरैया की लगातार घटती संख्या का सबसे बड़ा जिम्मेदार कारण है। दरअसल इन टावरों से निकलने वाली इलैक्ट्रो मैग्नेटिक किरणें इस छोटे से पक्षी को उत्तेजित करती हैं, जिससे उनकी प्रजनन क्षमता बहुत कम हो जाती है और वह दिशाभ्रम की शिकार भी होती है। इससे सीधे-सीधे उनके अस्तित्व पर बहुत बड़ा असर पड़ा है। पर्यावरणविदों के अनुसार गौरैया अधिकांशतः छोटे-छोटे झाड़ीनुमा झुरमुट वाले वृक्षों पर रहती हैं लेकिन विकास की अंधी दौड़ में पेड़ों का तेजी से सफाया किया जा रहा है, जिससे गौरैया सहित अन्य पक्षियों के आशियाने भी उजड़ गए हैं।

बहुत बार देखा जाता रहा है कि लोग अपने घरों में गौरैया के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। पक्षी विज्ञानी कहते हैं कि गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिएं, जहां वे आसानी से घोंसले बना सकें और घरों में बने इन घोंसलों में उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें। प्रकृति संतुलन तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए आज समय की सबसे बड़ी मांग है कि हम पक्षियों के लिए वातावरण को उनके प्रति अनुकूल बनाने में सहायक बनें अन्यथा वह दिन दूर नहीं, जब गौरैया सहित और भी बहुत सारे पक्षी गिद्ध तथा मॉरीशस के 'डोडो' पक्षी की भांति पूरी तरह से विलुप्त हो जाएंगे। बहरहाल, प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में हमारी सहभागी रही गौरैया के संरक्षण के लिए आज लोगों में बड़े स्तर पर जागरूकता पैदा किए जाने की सख्त जरूरत है।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

महिलाओं के लिए पुरुषों की सोच में सकारात्मकता लाने की आवश्यकता

सतनाम सेवा समिति द्वारा महिला सम्मान समारोह संपन्न

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।.

सतनाम सेवा समिति अम्बिकापुर द्वारा सामाजिक स्तर पर महिलाओं के सम्मान एवं जागरूकता के संबंध में शनिवार को एक दिवसीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक उत्थान में प्रमुख भूमिका निभाने वाले महिलाओं को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष डीआर ढिड़ी ने कहा कि प्राचीन काल में जागरूकता के अभाव में महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान नहीं बना पाती थी पर स्थिति आज उलट है। समाज में महिला एवं पुरुष दोनों की समान भागीदारी है। डॉ. स्वाती कुर्रे ने बताया कि शिक्षा व जागरूकता के अभाव में विशेष रूप से आदिवासी अंचलों में कम उम्र में ही बालिकाओं का विवाह कर दिया जाता है जिसके कारण उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हमें ऐसे क्षेत्रों में जागरूकता लाने व उन्हें शिक्षित करने की आवश्यकता है। विनिता प्रसाद ने कहा कि महिलाओं के लिए पुरुषों की सोच में सकारात्मकता लाने एवं परिवार में सम्मान देने की आवश्यकता है। समाज व देश में महिलाओं की भागीदारी के बिना हम कभी विकास नहीं कर सकते। डॉ. रामेश्वरी बंजारा ने कहा कि परिवार से समाज और समाज से देश का निर्माण होता है इसलिए हमें अपने परिवार से ही महिलाओं के सम्मान की शिक्षा देनी होगी। टीआर दिनकर ने बताया कि संविधान में महिला एवं पुरूष दोनों को

समान अधिकार एवं अवसर दिया गया है। आज हमारी बेटियां उच्च स्तर पर शिक्षा प्राप्त कर अपना मुकाम हासिल कर रही हैं। कार्यक्रम में डॉ. स्वाती कुर्रे, मेडिकल आफिसर विनिता प्रसाद सहायक प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, डॉ. रामेश्वरी बंजारा सहायक प्राध्यापक, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में संघर्ष कर उच्च स्तर पर मुकाम हासिल किये है उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही उपस्थित सभी महिलाओं को समाज एवं परिवार में योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के सचिव मनोज लहरे, कोषाध्यक्ष बृजभूषण नवरत्न मीडिया प्रभारी नरेन्द्र दिव्य, श्रवण खुंटे, अजय जांगड़े, गोकुल जांगड़े सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

मधुमक्खियों के हमले में विक्षिप्त महिला की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

लटोरी थाना क्षेत्र के फूलझर नाला के पास 17 मार्च को एक विक्षिप्त महिला पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया था। सूचना पर पुलिसकर्मियों ने हेलमेट पहनकर महिला को बीच बचाव कर उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार एक विक्षिप्त महिला लटोरी क्षेत्र में घुमते रहती थी। 17 मार्च को फूलझर नाला के पास मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया। वह बचाव करने के लिए पूरी कोशिश की। इस दौरान वह कपड़ा भी उतार कर फेंक दी पर मधुमक्खियों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। सूचना पर दो पुलिसकर्मियों ने हेलमेट पहनकर महिला का बीच बचाव किया और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती करवाया। यहां उपचार के दौरान 18 मार्च की रात को उसकी मौत हो गई।

कीटनाशक सेवन कर महिला ने दी जान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।.

अज्ञात कारण से एक महिला कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चिम्मी बेक पति थोबियस उम्र 45 वर्ष पस्ता थाना क्षेत्र के ग्राम बलरामपुर का रहने वाली थी। वह 13 मार्च को अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्ट्रीट लाइट खंभा चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।. दरिमा एयरपोर्ट से स्ट्रीट लाइट के खंभे चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने दो एयरपोर्ट में कार्यरत श्रमिक शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दरिमा एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा है। 5 से 12 मार्च के बीच अज्ञात चार द्वारा एयरपोर्ट में लगे 5 स्ट्रीट लाइट के खंभे को खोलकर अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था। इस मामले की रिपोर्ट सुपरवाइजर देवेश कुमार लहरे ने दरिमा थाने में दर्ज कराया था। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। मुखबिर के सूचना के आधार पर पुलिस ने एयरपोर्ट के दो श्रमिक विकस, रनकेश्वर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो ये दोनों ने स्वीकार किया कि अपने एक साथी सिद्धार्थ उर्फ राजू निषाद के साथ मिलकर पांच स्ट्रीट लाइन चोरी करने की बात स्वीकार की। ये तीनों आरोपी मोतीपुर दरिमा के रहने वालें हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से एक स्ट्रील लाइट खंभा व 2 हजार रुपए बरामद कया है। वहीं अन्य स्ट्रीट लाइट को अन्य के हाथों बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं खंभे के खरीदार की पुलिस तलाश कर रही है। वहीं घटना की पुनरावृति रोकने हेतु अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक विवेक शुक्ला ने दरिमा एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कड़े सुरक्षा प्रबंध हेतु दरिमा एयरपोर्ट में पदस्थ पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, दरिमा एयरपोर्ट के सुपरवाइजर, मैनेजर को एक्सेस कण्ट्रोल हेतु दरिमा एयरपोर्ट के सभी टूटे हुए दीवालों को तत्काल दुरुस्त करवाने हेतु निर्देशित किया । साथ ही दरिमा एयरपोर्ट में आने जाने वाले व्यक्तियों एवं काम कर रहे सभी श्रमिकों का डाटा संधारण कर थाना प्रभारी दरिमा एवं दरिमा एयरपोर्ट प्रभारी को लगातार सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी दरिमा निरिक्षक जॉन प्रदीप लकड़ा, सहायक उप निरीक्षक महेंद्र सिंह, आरक्षक शिवमंगल सिंह, अनुग्रह तिर्की, अखिलेश यादव, संत कुमार शामिल रहे।

अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा सप्ताह का समापन

- महिला सशक्तीकरण पूरे समाज के लिए जरूरी- पुलिस अधीक्षक सूरजपुर।
- बडे उत्साह के साथ पूरे सप्ताह महिला-छात्राओं ने प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

-संवाददाता-
सूरजपुर ,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

बड़े उत्साह के साथ जिले में अभिव्यक्ति महिला जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया जिसका समापन पुलिस लाईन सूरजपुर में रविवार, 19 मार्च को किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने महिला सुरक्षा के प्रति यहां के छात्राओं-महिलाओं में उत्कृष्ट भाव होने पर उनकी प्रशंसा की। पूरे सप्ताह जिले की पुलिस के द्वारा अभिव्यक्ति नारी के सम्मान की, महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों को लेकर महिला-छात्राओं तक पहुंचा गया और उन्हें खुद की सुरक्षा के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान महिला-छात्राओं के लिए विभिन्न खेलकूद तथा चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

समापन समारोह में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सजग है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। यदि महिलाओं एवं छात्राओं पर किसी भी प्रकार की ज्यादती या जुल्म हो रहा हैं तो उसे सहे नही। इसके लिये निःसंकोच पुलिस से अपनी शिकायत करें। महिला सशक्तिकरण पूरे समाज के लिए क्यों जरूरी है उसे बताया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए है। महिलाएं आज विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कर रही हैं और आगे बढ़ रही हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस के द्वारा निर्मित अभिव्यक्ति ऐप का इस्तेमाल आज जिले के अधिकतर छात्राएं व महिलाएं कर रही है और अपनी शिकायतों का समाधान त्वरित प्राप्त कर रही है। कार्यक्रम में प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस क्यों मनाया जाता है उसके बारे में विस्तार से बताया। शिक्षक फलवती सिंह ने भी महिला सुरक्षा से जुड़े जरूरी बातों के बारे में बताया। इस दौरान रक्षित निरीक्षक भूपेन्द्र कुर्रे सहित पुलिस लाईन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

*महिला-छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में लिया भाग।

अभिव्यक्ति महिला जागरूकता सप्ताह के दौरान पुलिस लाईन में छात्राओं-महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, रस्सा खींच, महिलाओं के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन तथा छात्राओं में छुपी कला को सामने लाने के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक कलाकृति बनाया। पुलिस द्वारा आयोजित इन सभी प्रतियोगिताओं का छात्राओं व महिलाओं ने खूब आनंद लिया। इन सभी प्रतियोगिता के विजेताओं को सोमवार को पुरस्कार वितरण किया जायेगा।

कलेक्टर ने प्रशानिक टीम के साथ संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र कहे जाने वाला

चुनचुना पुंदाग क्षेत्र का दौरा कर जाना ग्रामीणों का हालचाल

- प्राथमिकता के साथ बहुप्रतीक्षित बन्दरचुंवा-पुंदाग सक निर्माण बारिश से पहले पूर्ण करने को कहा,

-उपेश सिन्हा-
कुसमी ,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखण्ड क्षेत्र में पडने वाला संवेदनशील एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र चुनचुना-पुंदाग में कलेक्टर विजय दयाराम के. एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग प्रशासनिक टीम के साथ दौरा कर जाना क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्या,साथ ही सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों का अवलोकन भी किया तथा निर्माण कार्यों के सम्बंध ग्रामीणों से चर्चा की, इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी रेना जमील भी साथ में रहीं,

कलेक्टर विजय दयाराम के. अपने दौरे के दौरान बन्दर चुआं-पुंदाग निर्माणाधीन पहुंच मार्ग का निरीक्षण कर उन्होंने कार्यपालन अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को सड़क निर्माण कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण करने का निर्देश दिया, कलेक्टर ने सड़क के दोनो ओर नाली निर्माण करने को कहा ताकि बारिश के पानी से सड़क का कटाव न हो सके,और उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गांव में मूलभूत संसाधन उपलब्ध कराना ही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए,वही कलेक्टर ने ग्रामीणों से मुलाकात कर गांव की समस्याओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की तथा ग्रामीणों ने गांव के विकास कार्यों की सतत निगरानी एवं सड़क निर्माण की प्रगति तथा पुंदाग में 2 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पदस्थापना करने व ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मांग पर कलेक्टर विजय दयाराम के. द्वारा त्वरित निर्णय लेते हुए विभाग को प्राक्कलन तैयार कर प्रेषित करने के निर्देश दिए, और पूर्व में ग्राम पंचायत चुनचुना-पुंदाग में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की मांग पर संसदीय सचिव व सामरी विधायक चिंतामणी महाराज ने राजीव गांधी लोक सेवा केंद्र एवं प्राथमिक तथा माध्यमिक शाला भवन निर्माण की घोषणा की थी, उक्त घोषणाओं का

चुनचुना-पुंदाग में कलेक्टर विजय दयाराम के एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग प्रशासनिक टीम के साथ दौरा कर जाना क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्या,साथ ही सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों का अवलोकन भी किया तथा निर्माण कार्यों के सम्बंध ग्रामीणों से चर्चा की, इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी रेना जमील भी साथ में रहीं,

कलेक्टर विजय दयाराम के. अपने दौरे के दौरान बन्दर चुआं-पुंदाग निर्माणाधीन पहुंच मार्ग का निरीक्षण कर उन्होंने कार्यपालन अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को सड़क निर्माण कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण करने का निर्देश दिया, कलेक्टर ने सड़क के दोनो ओर नाली निर्माण करने को कहा ताकि बारिश के पानी से सड़क का कटाव न हो सके,और उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गांव में मूलभूत संसाधन उपलब्ध कराना ही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए,वही कलेक्टर ने ग्रामीणों से मुलाकात कर गांव की समस्याओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की तथा ग्रामीणों ने गांव के विकास कार्यों की सतत निगरानी एवं सड़क निर्माण की प्रगति तथा पुंदाग में 2 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पदस्थापना करने व ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा कराने हेतु जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया फिर कलेक्टर ने मनरेगा के अंतर्गत विभिन्न कार्यों एवं जॉबकार्डधारियों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मनरेगा के तहत् अधिक से अधिक तालाब निर्माण स्वीकृत कर मजदूरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि स्थानीय श्रमिकों को रोजगार मिल सके, वहीं ग्राम भुताही में ग्रामीणों द्वारा मिट्टी सड़क तथा चुनचुना गांव में प्राथमिक शाला तथा पंचायत भवन मरम्मत की क्रियान्वयन करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है, जिसका निरीक्षण करने कलेक्टर चुनचुना-पुंदाग पहुंचे थे, तथा निर्माणाधीन भवनों का अवलोकन करते हुए कलेक्टर ने निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास निर्माण की जानकारी लेते हुए हितग्राहियों के स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत कतलम(ऑप्स), अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनमोल विवेक टोप्पो, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स)डी.के.सिंह, सहायक अभियंता पीएमजी एसवाय सच्चिदानंद, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत संजय दुबे सहित अधिकारी/कर्मचारी एवं ग्रामीण जन शामिल रहे।

खड़ी हौंडा सिटी कार में लगी आग

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

आज देर शाम हौंडा सिटी कार में अज्ञात कारणों से आग लगने से आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। वही स्थानीय लोगों की मदद से मौके पर पहुंची नगर निगम की पानी टैंकर ने आग पर काबू पाया लिया है। अंबिकापुर की कोतवाली पुलिस आग लगने के कारणों का जांच करने में जुट गई है। अंबिकापुर के स्कूल रोड में खड़ी कार में अज्ञात कारणों से लगी आग लगने पर पहुंचा नगर निगम का पानी टैंकर ने आग पर काबू पाया। आपको बता दें कि कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत स्कूल रोड कन्या उत्तर माध्यमिक विद्यालय के सामने खड़ी होंडा सिटी की WRV कार सीजी15 डीपी 7700 में अचानक अज्ञात कारणों से आग लगने पर आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया.था। उक्त कार जिंदल मेडिकल एजेंसी के संचालक का बताया गया।

24 मार्च तक ही कोषालय में जमा होंगे देयक

संवाददाता-
अंबिकापुर,19 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

वित्तीय वर्ष 2022-23 से संबंधित सभी देयक कोषालयों में 24 मार्च तक ही जमा किये जा सकेंगे। 24 मार्च के पश्चात यदि कोई सहमति या स्वीकृति जारी की गई है तो उन प्रकरणों में यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इसके साथ ही सरकार से प्राप्त राशि से संबंधित देयक, विधायकों के स्वत्वों से संबंधित देयक, राजभवन सचिवालय, विधानसभा सचिवालय, मुख्यमंत्री सचिवालय के अधीन गठित प्रकोष्ठ, उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय से संबंधित देयकां पर भी यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इस सम्बंध में राज्य शासन द्वारा निर्देश जारी कर दिया गया है।

आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को समस्त चेकबुक 24 मार्च को संध्या 5 बजे तक कोषालयों मे जमा करना होगा। निरंक या उपयोग किये गए चेक का विवरण भी देना होगा। 27 मार्च से ऐसे अपरिहार्य प्रकरणों में जिनमें कि जनहित या प्रशासन के हित में अनिवार्य हो स्थानीय जिलाध्यक्ष के समक्ष पूर्ण प्रकरण व विषय वस्तु औचित्य सहित प्रस्तुत कर भुगतान संबंधी आदेश प्राप्त किया जा सकता है।

CMYK

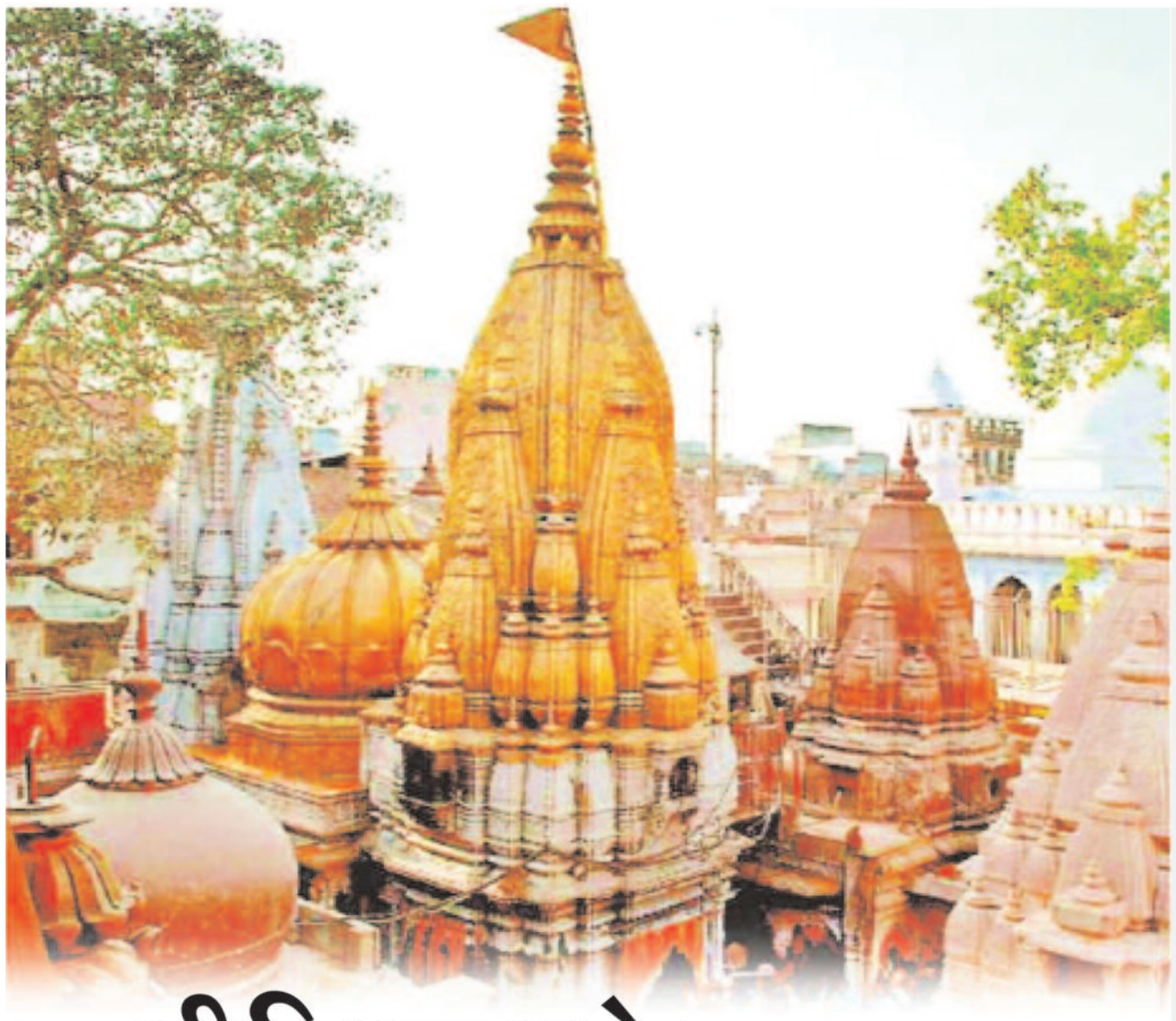

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यत्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते है कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

इक्वाडोर और उत्तरी पेरू में आए भूकंप से 14 लोगों की मौत

क्विटो। इक्वाडोर और उत्तरी पेरू में आए शक्तिशाली भूकंप के कारण कम से कम 14 लोगों की मौत हुई हैं। भूकंप के कारण कई लोग मलबे में दब गए हैं, जिन्हें बचाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया है। भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र इक्वाडोर के दूसरे सबसे बड़े शहर गुआयाक्विल से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दक्षिण में था। प्राधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण पेरू में एक और इक्वाडोर में 13 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 126 अन्य लोग घायल हुए हैं। इक्वाडोर के राष्ट्रपति गुलेरमो लासो ने कहा कि भूकंप के कारण लोगों में ''निश्चित ही दहशत फैल गई''। लासो कार्यालय ने बताया कि भूकंप के कारण जान गंवाने वाले लोगों में से 11 की तटीय राज्य एल ओरो में और दो की पर्वतीय राज्य अजुए में मौत हुई। पेरू में, इक्वाडोर के साथ लगती उसकी उत्तरी सीमा से मध्य प्रशांत तट तक भूकंप महसूस किया गया। पेरू के प्रधानमंत्री अल्बर्टो ओटारोला ने बताया कि इक्वाडोर की सीमा पर टुंबेस क्षेत्र में एक मकान के ढहने के कारण सिर में चोट लगने से चार वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई। भूकंप के कारण कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है।

पाकिस्तान : गाड़ी के बहने से एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बाढ़ में एक गाड़ी के बहने से गाड़ी में सवार एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा प्रांत के आवारान जिले में तब हुआ जब चालक ने गाड़ी को पहाड़ी इलाके में पानी से भरी सड़क से निकालने की कोशिश की लेकिन चालक को कामयाबी नहीं मिली और गाड़ी गहरे खड्ड में बह गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में दो बुजुर्ग और छह बच्चे शामिल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग लड़कियां और तीन लड़के भी हैं। दुर्घटना आवारान जिले के झाओ इलाके में हुई जहां शुक्रवार से ही भारी बारिश हो रही है।

बांग्लादेश में बस के खाई में गिरने से 17 लोगों की मौत, 30 अन्य घायल

ढाका। बांग्लादेश में रविवार को एक तेज रफ्तार बस के खाई में गिरने से कम से कम 17 लोगों की मौत हुई और 30 अन्य घायल हो गए। बांग्लादेश पुलिस ने बताया कि एमाद परिवहन द्वारा संचालित एवं ढाका जा रही बस सुबह करीब साढ़े सात बजे मदारीपुर में एक एक्सप्रेस-वे पर अनियंत्रित हो गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में मृतक संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई घायलों की स्थिति गंभीर है। मदारीपुर के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह दुर्घटना लापरवाही से गाड़ी चलाने और बस में यांत्रिक खराबी के कारण हुई। वहीं, दमकल विभाग के उप सहायक निदेशक ने कहा, ऐसा माना जा रहा है कि तेज रफ्तार बस का पहिया फट गया और उसके चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया जिससे बस खाई में गिर गई। अग्निशमन सेवा अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर दमकल सेवा की तीन इकाइयां राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। वहीं, बताया जा रहा हैं कि बस में 43 से अधिक यात्री सवार थे।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मारियुपोल शहर की यात्रा की

कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल की यात्रा की। रूस की सरकारी समाचार एजेंसियों ने रविवार सुबह यह जानकारी दी। यह मारियुपोल की पुतिन की पहली यात्रा है, जिस पर मॉस्को ने सितंबर में गैरकानूनी तरीके से कब्जा कर लिया था। मारियुपोल दुनियाभर में अवज्ञा का एक प्रतीक बन गया था, जहां यूक्रेनी सेना के कई जवान करीब तीन महीने तक इस्पात के संयंत्र में डटे रहे थे, लेकिन आखिरकार मॉस्को ने इस पर कब्जा कर लिया था। शनिवार को पुतिन यूक्रेन से क्रीमिया कब्जाने की नौवीं वर्षगांठ के मौके पर काला सागर के प्रायद्वीप पर भी गए, जो मारियुपोल के नजदीक स्थित है।

मोंटीसेलो स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र से रेडियोधर्मी पानी का रिसाव

वॉशिंगटन। अमेरिका के मध्य-पश्चिमी राज्य मिनेसोटा के मोंटीसेलो स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र से लगभग 4 लाख गैलन (15 14,164 लीटर) रेडियोधर्मी पानी का रिसाव हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, मिनेसोटा प्रदूषण नियंत्रण एजेंसी (एमपीसीए) ने कहा कि राज्य एजेंसियां कंपनी के मोंटीसेलो परमाणु-उत्पादक संयंत्र में पाए गए ट्रिटियम से दूषित पानी को को साफ करने के लिए एक्ससेल एनर्जी के प्रयासों की निगरानी कर रही हैं। नियमित भूजल निगरानी के दौरान असामान्य परिणाम मिलने के बाद नवंबर 2022 के अंत में एक्ससेल एनर्जी ने मिनेसोटा ड्यूटी ऑफिसर और यूएस न्यूक्लियर रेगुलेटरी कमीशन को रिसाव की सूचना दी। रेडियोधर्मी पानी के रिसाव को सार्वजनिक करने में चार महीने की देरी ने सार्वजनिक सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। एमपीसीए ने बताया कि रिसाव को रोका गया है, और दूषित पानी मिसिसिपी नदी या पेयजल स्रोतों तक नहीं पहुंचा है। एक्ससेल एनर्जी ने कहा कि रिसाव मॉन्टिसेलो संयत्र में दो इमारतों के बीच चल रहे पानी के पाइप से आया था और उस रोक दिया गया था। भूमि और रणनीतिक पहलों के लिए एमपीसीए के सहायक आयुक्त किर्क कौडेल्का ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि कम से कम या बिना किसी जोखिम के यह सफाई यथासंभव संपन्न हो। संयंत्र के आसपास के पेयजल के लिए अभी खतरे का कोई संकेत नहीं है। गौरतलब है कि ट्रिटियम हाइड्रोजन का एक रेडियोधर्मी रूप है, जो वायुमंडल में उत्पन्न होता है। यह परमाणु ऊर्जा संयंत्रों द्वारा बिजली के उत्पादन का उपोत्पाद है। इससे पहले थाईलैंड में एक खतरनाक रेडियोएक्टिव सामग्री वाले सिलेंडर के गुम हो जाने से अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए थे।

साहसिक कारनामा : बर्फ की तरह जमी झील में 170 फीट नीचे तक गया शख्स, गिनीज बुक में दर्ज कराया नाम

न्यूयॉर्क। दुनिया में साहसिक कारनामे करने वालों की कमी नहीं है। ऐसा ही एक कारनामा स्विटजरलैंड के गोताखोर ने कर दिखाया है। ठंड के मौसम में लोग पानी छूने से भी डरते हैं, लेकिन डेविड वेंकल न सिर्फ बर्फ की तरह जमी हुई झील में उतरे, बल्कि इतनी गहराई तक गए कि अगर आम आदमी को छोड़ दिया जाए तो लौटना मुश्किल होगा। इस उपलब्धि के साथ ही उन्होंने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम भी दर्ज करवा लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 40 वर्षीय डेविड वेंकल ने स्विटजरलैंड की लेक सिल्स में डुबकी लगाई। यह लेक बर्फ की तरह जमी हुई है। इसके बावजूद वेंकल ने उसमें ड्रिल किया और उसी छेद के जरिए पानी में उतर गए। खास बात वे बिना वेटसूट के उतरे और 170.9 मीटर नीचे तक गए और फिर उसी छेद से बाहर आ गए। अपनी उपलब्धि साबित करने के लिए वेंकल 170.9 फीट नीचे रखे स्टिकर को भी अपने साथ लेकर आए। यह जानकर हैरान होगी कि वेंकल ने एक ही सांस में यह डुबकी लगाई। 1 मिनट 54 सेकेंड के बाद जब वे बाहर निकले तो उनके मुंह से खून भी आने लगा। इसके बावजूद वह डिगे नहीं, खून थूका और शैम्पेन की बोतल खोल ली। वेंकल के प्रमोटर पावेल कलौस ने कहा कि उन्होंने इस सफर का खूब आनंद लिया। हालांकि, शुरू में वह थोड़ा अधिक घबराए हुए थे। उन्हें सांस लेने में समस्या आ रही थी। इसकी वजह से उन्हें तैरने में अधिक समय लगा। वेंकल ने नया रिकॉर्ड अपने नाम किया। वेंकल के लिए यह दूसरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इससे पहले 2021 में उन्होंने बर्फीली चेक झील में 265 फीट तक पानी के अंदर रहने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

अमेरिकी अभिनेता लांस रेडिक का 60 साल की उम्र में निधन

न्यूयॉर्क। अमेरिकी अभिनेता लांस रेडिक, जो द वायर और जॉन विक सीरीज में अपने काम के लिए जाने जाते थे। लांस का 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। मौत का कारण फिलहाल साफ नहीं है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि यह प्राकृतिक मौत थी। संगीतकार जॉन विक चैप्टर 4 के लिए एक प्रेस टूर पर थे। जॉन विक

पेरिस में पेंशन सुधार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान दंगा निरोधक पुलिस हालात पर नियंत्रण का प्रयास करती हुई।

उत्तर कोरिया ने फिर समुद्र में दागी एक संदिग्ध मिसाइल

सियोल। उत्तर कोरिया ने फिर समुद्र में एक संदिग्ध मिसाइल दागी है। जिसकी जानकारी दक्षिण कोरिया ने दी हैं। उ.कोरिया ने अमेरिका और द.कोरिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में अपनी परीक्षण गतिविधियों को तेज किया है। उत्तर कोरिया इन सैन्य अभ्यासों को उस पर हमले के अभ्यास के रूप में देखता है। जापान के रक्षा मंत्रालय और तट रक्षक बल ने बताया कि उत्तर कोरिया ने रविवार सुबह मिसाइल दागी। हालांकि, उसने प्रक्षेपण के संबंध में कोई और जानकारी नहीं दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वी जलक्षेत्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। फिलहाल यह अभी जांच का विषय है, अगर मिसाइल लांच की पुष्टि होती है, तब यह उ.कोरिया का अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेना द्वारा पिछले सप्ताह संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू करने के बाद से चौथा हथियार परीक्षण होगा। उत्तर कोरिया का मानना है कि यह संयुक्त सैन्य अभ्यास उस पर हमले की तैयारी करने के लिए है। बहरहाल, अमेरिका और दक्षिण कोरिया का कहना है कि उनका अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है। यह अभ्यास गुरुवार तक जारी रहेगा। उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए हाल ही में एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) ह्वासोंग-17 का प्रक्षेपण किया था।

वैज्ञानिक अनुसंधान को रोकने पर चीनी अधिकारियों को डब्ल्यूएचओ ने लगाई फटकार

-डब्ल्यूएचओ ने चीन को लगाई फटकार, कहा- कोरोना वायरस से संबंधित डेटा जारी करने के बाद क्यों हटाया?

वाशिंगटन (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएच ने वैज्ञानिक अनुसंधान को रोकने के लिए चीनी अधिकारियों को फटकार लगाई है, जिससे कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता चल सकता था। डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को चीनी अधिकारी से तीन साल पहले डेटा का खुलासा नहीं करने के कारणों के बारे में भी पूछा। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी आई। इंटरनेट स्पेस में डेटा गायब होने से पहले वायरस विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने इसे डाउनलोड किया और शोध का विश्लेषण करना शुरू किया। टीम ने खुलासा किया कि डेटा इस विचार का समर्थन करता है कि महामारी अवैध रूप से कारोबार करने वाले रैकून कुत्तों से शुरू हो सकती है, जो चीन के वुहान हुआनान सीफूड होलसेल मार्केट में मनुष्यों को संक्रमित करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जब विशेषज्ञों ने अपने चीनी समकक्षों के साथ विश्लेषण पर सहयोग करने की पेशकश की, तो टीम अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच सकी, क्योंकि वैज्ञानिक डेटाबेस से जीन अनुक्रम हटा दिए गए थे। डब्लूएचओ के महानिदेशक डॉक्टर टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि ये डेटा तीन साल पहले साझा किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि लापता साक्ष्य को अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ तुरंत साझा करने की आवश्यकता है। डेटा की समीक्षा कर रही विशेषज्ञ टीम के अनुसार शोध इस बात का सबूत देता है कि रैकून कुत्ते, लोमड़ी जैसे जानवर से कोरोना वायरस फैल सकता है।

वहीं एक फ्रांसीसी जीवविज्ञानी ने पिछले हफ्ते डेटाबेस में अनुवांशिक अनुक्रमों की खोज की और उनकी टीम ने महामारी की उत्पत्ति के बारे में सुराग के लिए रिसर्च शुरू किया। उस टीम ने अभी तक निष्कर्षों को रेखांकित करने वाला एक पेपर जारी नहीं किया है, लेकिन शोधकर्ताओं ने इस सप्ताह एक बैठक में कोविड की उत्पत्ति का अध्ययन करने वाले डब्ल्यूएचओ सलाहकार समूह को सामग्री का विश्लेषण दिया, जिसमें उसी डेटा के बारे में चीनी शोधकर्ताओं द्वारा एक प्रस्तुति भी शामिल थी।

शिकागो विश्वविद्यालय में एक महामारीविद और विकासवादी जीवविज्ञानी सारा कोबे के अनुसार चीन ने जो प्रस्तुत किया है, उससे यह विश्लेषण अलग प्रतीत होता है। कोबे नए विश्लेषण में शामिल नहीं थे, उन्होंने कहा कि विश्लेषण चीनी वैज्ञानिकों द्वारा पहले के विवादों से टकराता हुआ प्रतीत होता है कि बाजार में लिए गए नमूने जो कोरोना वायरस के लिए सकारात्मक थे, अकेले बीमार लोगों द्वारा लाए गए थे। नमूने कैसे एकत्र किए गए थे, उनमें वास्तव में क्या था और सबूत क्यों गायब हो गए थे, इस बारे में प्रश्न बने हुए हैं। डॉ. कोबे उन 18 वैज्ञानिकों में से एक थे, जिन्होंने मई 2021 में जर्नल साइंस में एक प्रभावशाली पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें उस परिदृश्य पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया गया था, जिसमें वायरस वुहान की एक प्रयोगशाला से बाहर फैल सकता था।

ट्रंप ने कहा ...मुझे गिरफ्तार किया जा सकता, सभी समर्थक प्रदर्शन करे

न्यूयॉर्क (एजेंसी) अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महिलाओं को भुगतान करने से जुड़े मामले में दावा किया कि जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, इसके साथ उन्होंने अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने का आह्वान किया। आरोप है कि पूर्व राष्ट्रपति के इन महिलाओं से यौन संबंध थे और उन्होंने उन्हें धन देकर मामले को सार्वजनिक नहीं करने को कहा था। बहरहाल, ट्रंप की वकील और प्रवक्ता ने कहा कि अभियोजकों की ओर से कोई संदेश नहीं मिला है लेकिन ट्रंप ने एक पोस्ट में कहा कि उन्हें मंगलवार को गिरफ्तार किया जा सकता है। ट्रंप ने बाद में एक पोस्ट में अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने का आह्वान कर राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हम अब इस और नहीं होने दे सकते। वे हमारे देश की हत्या कर रहे हैं और हम बैठकर बस देख रहे हैं। हमें अमेरिका को बचाना होगा। प्रदर्शन, प्रदर्शन, प्रदर्शन करिए। ट्रंप ने इसी तरह की अपील पिछले राष्ट्रपति चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद भी की थी जिससे छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन परिसर में हिंसा हुई थी। ट्रंप की वकील सुजैन नेचेल्स ने कहा कि ट्रंप की पोस्ट ''मीडिया में आई खबरों पर आधारित'' है और एक प्रवक्ता ने कहा कि अभी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी आल्विन ब्रैग के कार्यालय से कोई ''अधिसूचना नहीं मिली है।'' डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। ट्रंप के इस पोस्ट के बाद 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल उनके संभावित प्रतिद्वंद्वियों सहित शीर्ष रिपब्लिकन नेता उनके समर्थन में आए।

ट्रंप के संभावित प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने कहा, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति पर अभियोग चलाने का विचार लाखों अमेरिकियों के साथ ही मेरे लिए भी बहुत परेशान करने वाला है। उनके समर्थन में आने वाले नेताओं में सदन के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी भी शामिल हैं। प्रौद्योगिकी निवेशक विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह इसतरह के देश में रहना नहीं चाहते जहां ''सत्ता में बैठी पार्टी अपने राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल कर सके।

डोनाल्ड ट्रंप हुए गिरफ्तार तो 2024 में उनकी होगी बंपर जीत : एलन मस्क

वाशिंगटन। टेस्ला और ट्विटर के सीईओ अरबपति एलन मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्विटर के नए बॉस ने कहा है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप की गिरफ्तारी हो जाती है तो वह भारी जीत के साथ राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुने जा सकते हैं। उनका यह बयान ट्रंप के उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है बयान के बाद आया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि उन्हें मंगलवार को गिरफ्तार किया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल नेटवर्क पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें मैनहट्टन जिला अटॉर्नी के कार्यालय द्वारा लाए गए एक मामले में मंगलवार को गिरफ्तार किए जाने की आशंका है। इसके बाद इस खबर पर मस्क ने अपनी प्रतिक्रिया दी। मस्क ने ट्वीट करते हुए लिखा कि अगर ऐसा होता है, तो ट्रंप भारी जीत के साथ फिर से चुने जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ट्रंप ने गिरफ्तारी के डर से अपने समर्थकों से विरोध करने को कहा। हालांकि, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस बारे में कोई विवरण साझा नहीं किया कि उन्हें संभावित गिरफ्तारी के बारे में पता कैसे चला। अपने पोस्ट में उन्होंने साल 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडेन से मिली हार को 'जनादेश की चोरी' बताया और अपने समर्थकों से विरोध प्रदर्शन करने को कहा।

बुरे वक्त में अच्छे दोस्त सऊदी अरब ने पाकिस्तान से कहा- नहीं मिलेगा उधार!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जब-जब पाकिस्तान को कर्ज की जरूरत पड़ी या कोई संकट आया, सऊदी अरब ने सबसे पहले उसकी मदद की, लेकिन इस बार ऐसा होता नहीं दिख रहा है। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को किसी तरह का बेलआउट या बिना ब्याज का कर्ज देने से इनकार कर दिया है। अपने मुस्लिम दोस्त के इस फैसले से इस्लामाबाद सरकार हैरत में है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार शिकायत कर रहे हैं कि मित्र देश भी पाकिस्तान को आर्थिक संकट से बाहर लाने के लिए मदद करने के इच्छुक नहीं हैं। डिफॉल्ट होने से बचने के लिए पाकिस्तान को तत्काल बड़े कर्ज की जरूरत है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार वर्तमान में सिर्फ 3 बिलियन डॉलर ही बचा है। पाकिस्तान 1980 के दशक से अपने 13वें बेलआउट पैकेज को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ कठिन बातचीत में फंसा हुआ है। अगर जल्द ही कोई समझौता नहीं किया गया तो पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय कर्ज हासिल करना मुश्किल हो जाएगा क्योंकि उसकी क्रेडिट रेटिंग खराब हो जाएगी। हाल के घटनाक्रमों की जानकारी रखने वाले विश्लेषकों ने मिडिल ईस्ट आई को बताया कि सऊदी अरब ने चालू खाता घाटे में भारी कमी के साथ सख्त मौद्रिक और राजकोषीय सुधारों को लागू करते हुए पाकिस्तान के सामने नए ब्याज वाले ऋण और निवेश की शर्तें रखी हैं। ये आईएमएफ की शर्तों के समान हैं।किंग फैसल सेंटर फॉर रिसर्च एंड इस्लामिक स्टडीज के एसोसिएट फेलो उमर करीम ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारी सदमे की स्थिति में हैं। करीम ने एमईई को बताया कि अब तक सऊदी अरब और दूसरे खाड़ी देश प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री की एक फोन कॉल पर पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आ जाते थे लेकिन इस बार ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

पाकिस्तान : इमरान खान के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के करीब एक दर्जन नेताओं पर तोड़फोड़, सुरक्षाकर्मियों पर हमला, पदच्युत प्रधानमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में सुनवाई के दौरान अदालत परिसर के बाहर हंगामा करने में शामिल होने के आरोप में आतंकवाद निरोधक कानून की विभिन्न धाराओं के तहत रविवार को प्राथमिकी दर्ज की। खान तोशाखाना मामले की बहुप्रतिक्षित सुनवाई में पेश होने के लिए लाहौर से इस्लामाबाद आए थे और उस दौरान इस्लामाबाद न्यायिक परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई थी।

पीटीआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच शनिवार को हुई झड़प के दौरान 25 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे जिसके बाद अवर जिला व सत्र न्यायाधीश जफर इकबाल ने सुनवाई 30 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। जियो न्यूज ने खबर दी कि पीटीआई कार्यकर्ताओं और वांछित नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। समाचार चैनल ने बताया कि इस्लामाबाद पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में 17 पीटीआई नेताओं को नामजद किया गया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि कार्यकर्ताओं ने पुलिस जांच चौकी और न्यायिक परिसर के मुख्य गेट को ध्वस्त कर दिया। पुलिस के मुताबिक आगजनी, पत्थरबाजी और न्यायिक परिसर की इमारत को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 18 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

प्राथमिकी के मुताबिक, ''झड़प के दौरान पुलिस के दो वाहन और सात मोटरसाइकिल को जला दिया गया और पुलिस थाना प्रभारी के आधिकारिक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।'' खान (70) अदालत में पेश होने के लिए लाहौर से इस्लामाबाद आए थे। उनके साथ काफिले में उनके समर्थक भी थे। पीटीआई नेता फवाद चौधरी ने रविवार को कहा कि पार्टी उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएगी जो खान के आवास में 'अवैध कार्रवाई' और हिंसा में संलिप्त थे। उन्होंने ट्वीट किया, ''आज, पार्टी की विधि टीम की बैठक बुलाई गई है।

पुलिस ने जिस तरह से लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना की और इमरान खान के आवास में दाखिल हुई, उसने मकान की सुचिता को बनाए रखने के सभी नियमों को तोड़ दिया। आवास से सामान की चोरी की गई और वे जूस के डिब्बे तक ले गए। निर्दोष लोगों को यातना दी गई।'' पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 70-वर्षीय प्रमुख इमरान खान को कथित रूप से अपनी संपत्ति से जुड़ी घोषणाओं में उपहारों का विवरण छिपाने को लेकर पाकिस्तान चुनाव आयोग की ओर से दायर शिकायत पर कार्यवाही में भाग लेने के लिए अवर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) जफर इकबाल की अदालत में पेश होना था।

वर्ष 1974 में स्थापित तोशाखाना कैबिनेट डिवीजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है। तोशाखाना में पाकिस्तानी शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को अन्य देशों की सरकारों, राज्यों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिले कीमती उपहारों को संग्रहीत किया जाता है। बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने इमरान खान को अयोग्य घोषित कर दिया था।

इजराइल में मिले कोरोना के नए वैरिएंट ने दोबारा बढ़ाई चिंता

-नया वायरस है ओमिक्रॉन बीए.1 व ओमिक्रॉन बीए.2 का कॉम्बिनेशन

लंदन (एजेंसी)। अभी कोविड का खतरा टला ही नहीं था कि अब नए वैरिएंट ने दोबारा से चिंता बढ़ा दी है। इजराइल में कोरोना जैसी खतरनाक महामारी का एक नया वैरिएंट पाया गया है। कोरोना का यह नया वैरिएंट इजराइल में करीबन दो लोगों में पाया गया है। इस नए वैरिएंट के बारे में खुद इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है। उनके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए थे, जब दोनों का पीसीआर टेस्ट किया गया तो वह कोविड पॉजिटिव पाए गए। पॉजिटिव पाए जाने के बाद जब जांच की गई तो यह पता चला कि यह कोविड का कोई नया वैरिएंट है। पॉजिटिव आए दोनों मरीजों को नमूने टेस्ट के लिए भी भेज दिए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पॉजिटिव पाए गए दोनों मरीजों में सिरदर्द, बुखार, मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण नजर आए थे। वहीं एक्सपर्ट्स की मानें तो जब दोनों वैरिएंट एक नया वायरस सामने आता है। पॉजिटिव पाए गए दोनों ही कपल हैं। दोनों की उम्र करीबन 30 वर्ष की है और यह इंफेक्शन उनके नवजात बच्चे के जरिए हुआ है।

भारत के छ राज्य कोविड से ज्यादा प्रभावित

कोरोना का नया वैरिएंट तब मिला है, जब भारत में भी कोविड के मामले बढ़ते जा रहे हैं। भारत के छ राज्य कोविड से ज्यादा प्रभावित हैं, जैसे महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु। राज्यों में बढ़ते मामले देखकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने टेस्ट, उपचार, टीकाकरण,

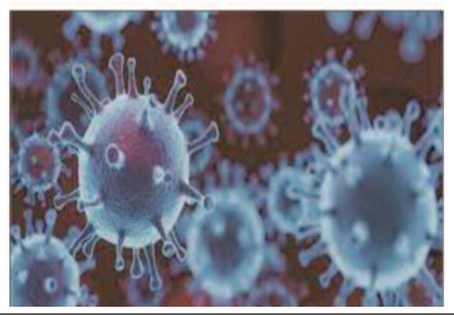

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने जिला अस्पताल में

कोल्ड स्टोरेज स्थापना कार्य का किया भूमिपूजन

कोरबा में सड़क,पानी,बिजली,शिक्षा व चिकित्सा इन पांचों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेष फोकस रखकर किए गए हैं कार्य

» **वार्ड में 34 हेल्थ क्लीनिक खोलने की मिली स्वीकृत**

-संवाददाता-

कोरबा,19 मार्च 2021 (घटती-घटना)। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा है कि विगत चार वर्षों के दौरान हमारी सरकार ने प्रदेश में मेडिकल व स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में व्यापक स्तर पर काम किया है, जहाँ तक कोरबा का प्रश्न है तो इस दौरान कोरबा में मेडिकल सुविधाओं में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, मेडिकल कालेज की बड़ी सौगात मिली है, जिला अस्पताल का कायाकल्प, डायलिसिस सुविधा अन्य सुविधाओं में वृद्धि, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के कार्य हुए हैं, वार्ड में 34 हेल्थ क्लीनिक खोलने की स्वीकृत मिली है तथा शेष वार्डों में भी यह स्वीकृत दी जाएगी। उन्होने कहा कि प्रतिदिन 08 मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर नागरिकों की मुफ्त जांच व उनकी बीमारियों का निःशुल्क इलाज भी किया जा रहा है।

उक्त बातें राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय कोरबा में कोल्ड स्टोरेज स्थापना कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान कही। जिला चिकित्सालय कोरबा में जीवन रक्षक टीकों के संधारण एवं संग्रहण हेतु 35 लाख 74 हजार रूपये की लागत से कोल्ड स्टोरेज स्थापना का कार्य निगम द्वारा कराया जाएगा, शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उक्त कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर राजकिशोर प्रसाद ने की, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्यामसुंदर सोनी, एम.आई.सी. सदस्यगण, पार्षदगण, एल्डरमेनगण आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने आगे कहा कि कोरबा में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा व चिकित्सा इन पांचों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेष फोकस रखकर कार्य किए गए हैं। हमारे आग्रह पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मेडिकल कालेज की सौगात देने के साथ ही अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की स्थापना सहित अन्य सौगातें दी है। उन्होने कहा कि आज कोरबा में पेयजल की समस्या नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई, बरसों पुरानी इस समस्या का सम्पूर्ण व दीर्घकालिक निदान किया जा चुका है, हर बिजली विहीन बस्ती, मोहल्ले, पारे, ग्राम, सड़क, मार्ग आदि में एक सुनियोजित कार्य योजना के साथ काम करते हुए बिजली सुविधा पहुंचाई गई है, सड़कों के निर्माण व सुधार की दिशा में व्यापक कार्य हुए हैं तथा अभी भी जारी है।

टीकाकरण दवाओं के स्टोरेज की सुविधा

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने आगे कहा कि कोल्ड स्टोरेज की स्थापना हो जाने से टीकाकरण के इंजेक्शन व अन्य दवाइयों जिन्हें ठंडे स्थान में रखने की आवश्यकता होती है, उनके स्टोरेज की सुविधा प्राप्त हो जाएगी तथ दवाओं के खराब होने की संभावना नहीं रहेगी। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डीन डॉ. मेश्राम व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने कोल्ड स्टोरेज स्थापना कार्य का भूमिपूजन करने हेतु राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि पहले आवश्यकतानुसार रायपुर से टीका वैक्सीन आदि मंगवाना पड़ता था, अब इनको स्टोरेज करने की सुविधा कोरबा में ही हो जाएगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष व पार्षद सुरेन्द्रप्रताप जायसवाल, शहर अध्यक्ष व एम.आई.सी.सदस्य सपना चौहान, पूर्व सभापति व एम.आई.सी.सदस्य संतोष राठौर, मेयर इन काउंसिल सदस्य पालूराम साहू, एल्डरमेन आरिफ खान, मेडिकल कालेज के डीन डॉ.मेश्राम, सी.एम.एच.ओ. डॉ.एस.एन.केशरी, डॉ.कुमार पुष्पेश,डॉ.राकेश अग्रवाल, डॉ.कमल देवांगन, निगम के जोन कमिश्नर आर.के.माहेश्वरी, सहायक अभियंता प्रकाश चन्द्रा, विनोद नेताम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

27 हजार रूपये कीमत के 3 टन कोयला जप्त,1 गिरफ्तार

अवैध कोयला के कारोबार पर सूरजपुर पुलिस की कार्यवाही

-संवाददाता-

सूरजपुर,19 मार्च 2021 (घटती-घटना)। अवैध कोयला कारोबार पर रोक लगाने को लेकर सूरजपुर पुलिस एक्शन में है। पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) एवं पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने अवैध कोयला के कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने एवं सख्त कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है। इसी क्रम में चौकी खडगवां पुलिस को बीते रात्रि में मुखबीर से सूचना मिला कि थाना राजपुर जिला बलरामपुर के ग्राम परसवार में पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 3521 में अवैध रूप से कोयला लोड़ हो रहा है जो भटगांव की ओर जाने वाला है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में चौकी खड़गवां की पुलिस ने ग्राम पम्पापुर जो थाना राजपुर के ग्राम परसवार से लगा हुआ है वहां घेराबंदी कर पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 3521 को रोकवाया गया जिसकी तलाशी लेने पर उसमें कोयला लोड़ पाया। चालक बृजलाल पिता तिहारू उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम मोहनपुर थाना भटगांव से कोयला संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जो कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर 3 टन कोयला कीमत करीब 27 हजार रूपये एवं परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन जप्त कर धारा 41(1-4)/379 भादसं. के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी खड़गवां विमलेश सिंह, प्रधान आरक्षक संजय सिंह यादव, आरक्षक श्याम सिंह, कृष्णकांत पाण्डेय व प्रमोद गुप्ता सक्रिय रहे।

राजस्व मंत्री ने सभी यात्री गाड़ियों का गेवरा रोड स्टेशन से पूर्ववत् नियमित परिचालन बहाल करने हेतु लिखा पत्र

» **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मण्डल अन्तर्गत कोरबा जिला एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है**

» **दक्षिण पूर्व मध्य रेल मंडल बिलासपुर के संबंधित अधिकारियों से कई बार व्यक्तिगत मुलाकात**

-संवाददाता-

कोरबा,19 मार्च 2021 (घटती-घटना)। प्रदेश के राजसव एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कोरबा से परिचालित हो रही समस्त यात्री गाड़ियों का परिचालन पूर्व की ही भांति गेवरा रोड रेलवे स्टेशन से बहाल किए जाने के लिए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को पत्र लिखा है। क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के प्रति सदैव प्रयत्नशील राजस्व मंत्री ने रेल मंत्री को लिखे पत्र में कोरबा क्षेत्र के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मण्डल अन्तर्गत कोरबा जिला एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है जहां ऐशिया की सर्वाधिक कोयला उत्पादक खदानों के साथ ही केन्द्र व राज्य सरकार के अलावा निजी क्षेत्र के अनेक विद्युत संयंत्र स्थापित हैं। पत्र में इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि सभी प्रतिष्ठानों में देश के प्रायः सभी राज्यों के लोग कार्यरत हैं और समस्त औद्योगिक गतिविधियों की वजह से कोरबा एक प्रमुख व्यावसायिक केन्द्र के साथ ही ऊर्जाधानी के रूप में भी अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। कोरबा अंचल के रेल यात्रियों की आवश्यकताओं को प्रमुखता से रखते हुए पत्र में लिखा गया है कि विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों व उनके परिजनों, व्यापारियों व अलग-अलग प्रतिष्ठानों में व्यावसायिक कार्यों के सिलसिले में अलग-अलग क्षेत्रों से लोगों के आने-जाने के लिए मुम्बई हावड़ा रेलमार्ग पर चांपा जंक्शन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर कोरबा रेलवे स्टेशन है और इस मार्ग से आगे विभिन्न कोयला खदानों के केन्द्र बिन्दु तक खदान कर्मियों व निकटवर्ती क्षेत्रों के निवासियों के आवागमन की सुविधा के लिए रेल सुविधा का विस्तार गेवरा रेलवे स्टेशन तक किया गया है जिसकी दूरी कोरबा रेलवे स्टेशन से लगभग 7 किलोमीटर है।राजसव एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने पत्र में आगे लिखा है कि यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व में लोकल व लम्बी दूरी की समस्त रेलगाड़ियों यथा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (कोरबा-अमृतसर), शिवनाथ एक्सप्रेस (कोरबा-नागपुर), कोचीन एक्सप्रेस (कोरबा-कोचीन) के साथ ही सभी लोकल व मेमू रेलगाड़ियों का गेवरा रोड रेलवे स्टेशन से किया जाता था जो वर्ष 2020 में कोविड काल से अस्थाई तौर पर बन्द कर दिया गया था। पत्र में आगे यह भी लिखा है कि लगभग एक वर्ष पूर्व से जब स्थितियां सामान्य हो गई हैं और देश के सभी रेलखण्डों की सभी मेल-एक्सप्रेस, पैसेंजर व लोकल रेलगाड़ियों का परिचालन पूर्व की भांति यथावत बहाल कर दिया गया है, ऐसी स्थिति में कोरबा की आम जनता रेलवे की इस सुविधा से आज भी वंचित है। उन्होंने पत्र में आगे लिखा है कि पूर्व में गेवरा रोड से परिचालित हो रही समस्त रेलगाड़ियों को अस्थाई तौर पर अनिश्चितकाल के लिए बन्द कर दिया गया था और वर्तमान में उन सभी रेलगाड़ियों का परिचालन कोरबा रेलवे स्टेशन से किया जा रहा है। रेल मंत्री के ध्यान में यह भी लाया गया है कि इस संबंध में स्थानीय तौर पर अनेक मंचों के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेल मंडल बिलासपुर के संबंधित अधिकारियों से कई बार व्यक्तिगत मुलाकात कर ज्ञापन देकर जनसुविधा की दृष्टि से कोरबा के स्थान पर समस्त रेलगाड़ियों का परिचालन गेवरा रोड से तत्काल बहाल किए जाने का अनुरोध भी किया गया है।मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने पत्र में रेल मंत्री से आग्रह करते हुए लिखा है कि आम जनता को हो रही व्यावहारिक कठिनाइयों के निराकरण हेतु वर्तमान में कोरबा से चलने वाली सभी ट्रेनों का परिचालन, पूर्व की भांति गेवरा रोड रेलवे स्टेशन से बहाल किये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को शीघ्र ही उनकी ओर से आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया जाए।

मानवीयता और संवेदनशीलता की मिसाल

दर्द से कराती महिला को देख वार्ड बॉय का दायित्व निभाया कलेक्टर ने

» **व्हीलचेयर में मरीज को बैठा वार्ड तक पहुंचाता यह शख्स वार्डबॉय नही...जिला कलेक्टर है**

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, 19 मार्च 2023/मरीज को अस्पताल के वार्ड तक पहुंचाते हुए यह कोई वार्ड ब्वाय नही जिले के 'कलेक्टर श्री पी एस ध्रुव' है। शुक्रवार को अस्पताल के औचक निरीक्षण पर खड़गवां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे कलेक्टर की नजर जब अस्तपाल के बाहर दर्द से कराहती हुई महिला देव कुंवर उम्र 50 वर्ष ग्राम जरौंधा निवासी पर पड़ी, तो कलेक्टर मानवीयता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करने खुद को न रोक पाए। कलेक्टर ने फौरन व्हील चेयर पर दर्द से कराहती हुई महिला को बिठाकर खुद व्हीलचेयर चलाकर अस्पताल के वार्ड में भर्ती कराया और डॉक्टरों को महिला के बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया।

मल्टीलेबल पार्किंग बनने के बावजूद असामाजिक तत्वों द्वारा किया जा रहा कब्जा

-संवाददाता-

कोरबा,19 मार्च 2021 (घटती-घटना)। कोरबा शहर के पावर हाउस रोड नहर मार्ग से बाईपास रातिखार जाने वाले मार्ग में बना यह मल्टीलेबल पार्किंग बिल्डिंग अब सफेद हाथी साबित हो रहा है। इस बिल्डिंग का इस्तेमाल प्रारम्भ नहीं होने के कारण आवारा बदमाश लड़कों एवं नशेड़ियों का अड्डा होता जा रहा है। अब यह स्थल मल्टी लेवल पार्किंग की जगह लवर्स प्वाइंट बनता जा रहा है जहां आए दिन लड़के और लड़कियां ऐसे बैठे रहते हैं जैसे कि उनके लिए ही इसे विशेषकर बनवाया गया हो। नशेबाज यहां जाम छलकाते हुये देखे जा सकते हैं। पास में ही चौक पर यातायात के जवान व पुलिस कर्मी मौजूद रहते हैं लेकिन इन असामाजिक व नशेड़ियों को कोई भय नहीं रहता। ऐसा लगता है मानो,यह नशेड़ियों और अय्याश लोगों को ठिकाना देने के लिए बनवाया गया है।प्रशासन एवं निगम को इस मल्टीलेवल पार्किंग स्थल पर विशेष ध्यान देना एवं गंभीरता बरतनी होगी वरना वह दिन दूर नहीं जब किसी प्रकार के अनहोनी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। सुझाव यह भी है कि जब तक इस पार्किंग का इस्तेमाल नहीं हो रहा है,तब तक यहां पर गार्ड की व्यवस्था की जाए ताकि अनहोनी घटना को रोका जा सके एवं लाइट की व्यवस्था किया जाए साथ ही बिना परमिशन के अंदर घुसने की मनाही हो। बता दें कि मल्टीलेबल पार्किंग भवन निर्माण का कार्य बहुत पहले ही पूर्ण हो चुका है पर अब तक इसकी शुरुआत नहीं किया जा सका है। ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर पावर हाउस रोड और शहर में बढ़ते यातायात के दबाव खासकर लोगों के द्वारा खरीदारी करने आने के लिए अधिकतर चार पहिया वाहनों का उपयोग करने और इन्हें सड़क किनारे और कभी-कभी बीच सड़क तक बेतरतीब तरीके से खड़े कर देने के कारण बिगड़ते यातायात के मद्देनजर लोगों एवं व्यापारियों ने मल्टीलेबल पार्किंग को जल्द प्रारंभ कराने की मांग की है। इसे देखते हुए राजस्व मंत्री एवं शहर विधायक जयसिंह अग्रवाल ने नए वर्ष एक जनवरी 2023 से मल्टीलेबल पार्किंग की सुविधा प्रारंभ करा देने की बात कही थी। उनके इस निर्देश के अनुसार यहां 01 जनवरी से पार्किंग की सुविधा शुरू हुई लेकिन यह एक-दो दिन गिने-चुने वाहनों के पार्किंग देखी गई इसके बाद यहां पार्किंग वीरान है। विरान होने से अब यहां असामाजिक तत्वों का डेरा लगने लगा इस पर निगम एवं पुलिस विभाग को विशेष ध्यान देना चाहीए।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश,दवाओं की उपलब्धता की ली जानकारी

कलेक्टर विजय दयाराम ने सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

-संवाददाता-

बलरामपुर 19 मार्च 2023(घटती-घटना)। कलेक्टर विजय दयाराम के. कुसमी विकासखण्ड के अंतर्गत सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सबाग व सामरी का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक संस्थागत प्रसव कराने तथा ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र सबाग के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारियों की जानकारी ली। उन्होंने प्रतिदिन ओपीडी में आने वाले मरीजों तथा संस्थागत प्रसव के संबंध में जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक संस्थागत प्रसव कराने को कहा। कलेक्टर दवा भण्डार कक्ष का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से सबाग मुख्य मार्ग तक बीटी रो निर्माण हेतु प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार कलेक्टर श्री दयाराम के. ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सामरी का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02,जिला-सरगुजा

रा0प्र0क्र0-202303021700076/अ-21/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विश्वजीत आ0 शीतल, निवासी ग्राम डिगमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा नगर नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 112 रकबा 0.340 हे0 अपने पुत्र के व्यवसाय हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक किशोर कुमार मनवानी आ0 स्व0 जीवत राम, निवासी भट्ठी रोड, केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा को रू0 6,00,000 /- (छःलाख रू0) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त सबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति.हो तो पेशी दिनांक10/04/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

सोनार उत्थान समाज द्वारा बैठक का आयोजन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 मार्च 2021 (घटती-घटना)। सोनार उत्थान समाज ब्लॉक अध्यक्ष,ब्लॉक अध्यक्ष महिला, ब्लॉक अध्यक्ष युवा के गठन के लिए स्थानीय बैठक का आयोजन गुरु रामदास सराय सभा बारात घर में आयोजन किया गया. इस बैठक में मुख्य अतिथि पारसनाथ राजवाड़े विधायक एवं संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन विशिष्ट अतिथि परशुराम सोनी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी सुरेश सोनी प्रदेश के प्रमुख सलाहकार उपस्थित थे उपस्थित समाज के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष राधा कृष्ण सोनी महिला ब्लॉक अध्यक्ष अलका सोनी युवा ब्लॉक अध्यक्ष संजय सोनी को मनोनीत किया इसकी अनुशंसा सूरजपुर जिला के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष प्रेम शंकर सोनी युवा जिलाध्यक्ष रामलाल सोनी ने प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी से कीइन्हें मनोनीत किए जाने की मांग की इन सभी पदाधिकारियों को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी परशुराम सोनी ने नियुक्ति प्रदान की इन्हें हार्दिक बधाई एवं अपने दायित्व पर सफल हो शुभकामनाएं दी प्रदेश उपाध्यक्ष सरगुजा संभाग प्रभारी प्रदेश के प्रमुख सलाहकार सरगुजा जिला के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष युवा के जिला अध्यक्ष कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को ज्ञापन सौंपा जिसमें समाज के सभी जिले एवं ब्लॉक के लिए जमीन एवं भवन निर्माण के लिए सहयोग राशि की मांग की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं मंच पर उपस्थित सभी लोगों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इनके अलावा सिख समाज के अध्यक्ष एवं मीडिया को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ आयोजक मंडल के सदस्य गण एवं शिक्षा में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए शिक्षा मंत्री के द्वारा पुरस्कृत किए जाने वाली प्रीति सोनी को शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया इस बैठक के दौरान मंच पर कृष्णा सोनी सूरजपुर जिला के प्रमुख सलाहकार रणविजय सोनी अंबिकापुर ब्लॉक अध्यक्ष रश्मि सोनी अंबिकापुर महिला ब्लॉक अध्यक्ष सुमित्रा देवी अक्षेवर सोनी गोवर्धन सिंह दुर्गा शंकर दीक्षित राजू सिंह केके जिंदल नेहा सोनी राजेंद्र सोनी उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन रामलाल सोनी ने किया बैठक का समापन की घोषणा रवि कांत सोनी ने की इस मैं निम्नलिखित सदस्यगण उपस्थित थे राकेश सोनी प्रिंस सोनी रंजीत सोनी संतोष सोनी सुरेश प्रसाद सोनी रामबाबू सोनी ओम सोनी आयुष सोनी के डब्लू सोनी चंदेश्वर प्रसाद केशव प्रसाद सोनू कुमार सोनी राकेश सोनी अनिल सोनी मोंटू सोनी दशरथ सोनी कृष्णा सोनी सुधा सोनी संध्या सोनी शकुंतला सोनी दिव्या सोनी शिल्पा सोनी ज्योति सोनी इंद्रावती सोनी गीता सोनी कलावती सोनी हीरामणि सोनी नेहा सोनी पूजा सोनी चंद्र सोनी सुशीला सोनी दुर्गा सोनी ममता सोनी मंजू सोनी पूनम सोनी सावित्री सोनी रूबी सोनी रंजीता सोनी आरती सोनी पिंकी सोनी फूलन देवी प्रियंका सोनी किरण सोनी रुचि सोनी स्वाति सोनी मधु सोनी निर्मला सोनी पार्वती सोनी शारदा सोनी आशा सोनी सोनम सोनी अंजली सोनी अनिता सोनी आशा सोनी नीतू सोनी सुदामा प्रसाद सोनी आनंद प्रसाद सोनी दिनेश सोनी जितेंद्र सोनी महेंद्र सोनी प्रकाश सोनी लखन सोनी नवीन सोनी रामाश्रय सोनी जगरनाथ प्रसाद सोनी कमलेश सोनी राजेश सोनी विनोद सोनी भीमदेव सोनी राम गुरु सोनी सूरज सोनी राकेश रोशन सोनी वीरचंद सोनी ओमकार सोनी ओम प्रकाश सोनी मनीष कुमार सोनी राजकुमार सोनी अविनाश सोनी सहित सैकड़ों की संख्या में समाज के वरिष्ठ महिला एवं युवा इस बैठक में उपस्थित थे।

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

सुविधाएँ : • पर्सनल लोन • बिजनेस लोन • प्रॉपर्टी लोन • होम लोन • जीवन बीमा • स्वास्थ्य बीमा • गाड़ी फाइनेंस • बैंकिंग ग्राहक सेवा केन्द्र

निःशुल्क फ्रेंचाइजी लेकर काम करने इच्छुक व्यक्ति भी संपर्क कर सकते हैं.

प्रमुख बैंकों व कई फाइनेंस कंपनियों द्वारा अधिकृत

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

गुदरी गली, सेन्ट्रल बैंक के सामने अम्बिकापुर

मो.: 9993567065, 6232267065, 9754461011

Adv.t.B.19.3.23

दिल्ली कैपिटल्स ने लॉन्च की अपनी नई जर्सी

» अब इस नए और खास अंदाज में नजर आएंगी वॉर्नर की सेना

नई दिल्ली,19 मार्च 2023। आईपीएल 2023 का आगाज 31 मार्च से होने वाला है, जिसको लेकर सभी फ्रेंचाइजियों ने जोरों-शोरों से तैयारियां शुरू कर दी है। इस बीच डेविड वार्नर के नेतृत्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने भी आईपीएल 2023 के लिए अपनी नई जर्सी लांच की है। सोशल मीडिया पर अपने ऑफिशियल अकाउंट के जरिए दिल्ली कैपिटल्स ने पोस्ट शेयर कर अपनी नई जर्सी का अनावरण किया।

दरअसल, आईपीएल 2023 से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी नई जर्सी का अनावरण किया। कुछ समय पहले ही दिल्ली कैपिटल्स ने एक आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा था कि ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में, डेविड वार्नर आईपीएल के 2023 सीज़न में फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगे। वार्नर के साथ अक्षर पटेल को टीम

का उप-कप्तान बनाया गया है। दिल्ली कैपिटल्स ने इस बीच एक पोस्ट शेयर कर नई जर्सी की चार तस्वीरें शेयर की है। इस तस्वीर में 4 छोटे-छोटे बच्चे ये नई जर्सी पहने हुए नजर आ रहे हैं। बच्चों के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों ने भी नई जर्सी पहने हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने कैप्शन में लिखा,

क्यों दिल्ली, कैसा लगा सरप्राइज? डीसी ने आगे लिखा है कि शहर में, शहर के लिए और शहर के साथ लॉन्च किया गया। सवेरा एसोसिएशन के बच्चे हमारे खिलाड़ियों के साथ आज सुबह के रनफॉरगुड कार्यक्रम में सीजन के नई जर्सी को धारण करने वाले पहले लोगों में से थे।

आईपीएल 2023 के लिए दिल्ली कैपिटल्स का स्क्वायॅड

डेविड वॉर्नर (कप्तान), अक्षर पटेल (उप-कप्तान), पृथ्वी शॉ, एनरिच नार्जे, मिचेल मार्श, सरफराज खान, कमलेश नागरकोटी, मुस्तफिजुर रहमान, कुलदीप यादव, खलील अहमद, चेतन सकारिया, ललित यादव, रिपल पटेल, यश ढुल, रोवमैन पॉवेल, प्रवीण दुबे , लुंगी एनगिडी, विक्की ओस्तवाल, अमन खान, फिल साल्ट, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, मनीष पांडे, रिले रोसौव।

लीजेंड्स क्रिकेट लीग में छत्तीसगढ़ के 3 खिलाड़ी बिखेरेंगे जलवा

रायपुर , 19 मार्च 2023। छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ी लीजेंड्स क्रिकेट लीग 2023 में अपना जलवा बिखेरते हुए दिखाई देंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के बीच अपना दमखम दिखाएंगे। ये खिलाड़ी के नाम वीरेंद्र सहवाग, युसूफ पठान, सुरेश रैना, राबिन उथप्पा, इरफान पठान और हरभन सिंह की कप्तानी वाली टीम के सामने जलवा दिखाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रोबिन उथप्पा की कप्तानी वाली पटना वारियर्स में प्रदेश के कलीम खान (आल राउंडर) का चयन हुआ है। कलीम पुलिस विभाग में निरीक्षक पद पर हैं। वहीं, डीएसपी संदीप मोरे (विकेटकीपर) और आशीष शर्मा (आल राउंडर) का चयन सुरैश रैना की कप्तानी वाली टीम इंदौर नाइट्स में हुआ है।

आपको बता दें के लीजेंड्स क्रिकेट टीम के मैच 22 मार्च से शुरू होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 30 मार्च को खेला जाएगा। इसमें अलग-अलग टीमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धुरंधर मैदान में खेलते दिखेंगे। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने प्रदेश की लीजेंड्स टीम से कई खिलाड़ियों के नाम भेजे थे। इसमें से तीन खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ी अब सीनियर खिलाड़ियों के साथ दमखम दिखाएंगे। उनके शानदार प्रदर्शन पर टीम में चयन किया गया है।

पाक क्रिकेट प्रमुख का दावा

» डिजिटल रेटिंग के मामले में पीएसएल ने आईपीएल को पीछे छोड़ा

लाहौर,19 मार्च 2023। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की अंतरिम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नजम सेठी ने दावा किया है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन ने डिजिटल रेटिंग के मामले में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को पीछे छोड़ दिया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, सेठी ने कहा कि इस सीजन के पीएसएल को पिछले संस्करण में आईपीएल के 130 की तुलना में 150 की डिजिटल रेटिंग मिली है,

जबकि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशंसकों के साथ-साथ पंजाब और सिंध की संघीय और प्रांतीय सरकारों का आभार व्यक्त किया।

एक नया विकल्प भी पेश किया गया था। 74 वर्षीय ने कहा, ÷हमारे पास संयुक्त राज्य अमेरिका में लीग के कुछ मैच आयोजित करने का प्रस्ताव है और अगर हमें मौका मिलता है, तो हम उस विकल्प का पता लगाएंगे। और जनता की सुविधा के लिए स्टेडियमों के पास खिलाड़ियों के लिए पांच सितारा होटल बनाने के लिए लाहौर और कराची में सम्बंधित अधिकारियों से बात कर रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में अगर राहुल विकेट कीपिंग करते हैं तो भारत की बल्लेबाजी मजबूत होगीः शास्त्री

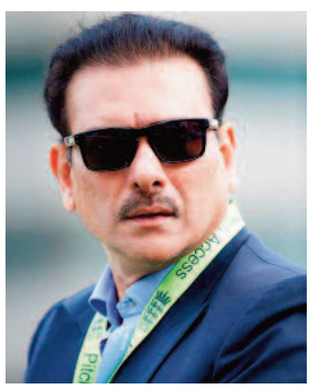

नयी दिल्ली, 19 मार्च 2023। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने जून में 'द ओवल' में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिये केएल राहुल का विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपना स्थान पक्का करने के लिये समर्थन किया और कहा कि उनकी मौजूदगी से टीम का बल्लेबाजी 'लाइन-अप' मजबूत होगा।राहुल का इंग्लैंड में अच्छा रिकॉर्ड है लेकिन खराब फॉर्म के कारण उन्हें घरेलू सरजमी पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट के बाद अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया।कर्नाटक के इस 30 साल के खिलाड़ी ने हालांकि आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार की रात पहले वनडे में नाबाद 75 रन की मैच विजयी पारी खेलकर शानदार वापसी की।

शास्त्री को लगता है कि राहुल डब्ल्यूटीसी फाइनल में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेल सकते हैं क्योंकि ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में केएस भरत अच्छा प्रदर्शन नहीं दिखा सके।शास्त्री ने कहा, उसने (केएल) सचमुच काफी अच्छा प्रदर्शन किया जिससे डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले चयनकर्ताओं की दिलचस्पी उनमें बनी रहेगी। उन्होंने कहा, दो चीजें हैं। पहली वनडे श्रृंखला के लिये जब रोहित शर्मा वापसी करेंगे और दूसरी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिये, जिसमें अगर राहुल विकेटकीपर करते हैं तो उनकी बल्लेबाजी मजबूत होगी।

शास्त्री ने कहा, राहुल मध्यक्रम (पाचवें और छठे नंबर) में बल्लेबाजी कर सकता है। इंग्लैंड में आपको आमतौर पर विकेटकीपिंग थोड़ी पीछे से करनी होती है। आपको ज्यादा स्पिनर नहीं लगाने पड़ते। उसके (केएल) पास आईपीएल से पहले दो और वनडे हैं। वह इनमें अच्छे प्रदर्शन से उस भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का कर सकता है। राहुल ने इंग्लैड में नौ टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक से 614 रन बनाये हैं।

भारत ने जून में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया है जिसमें टीम का सामना आस्ट्रेलिया से होगा। यह भारत का दूसरा डब्ल्यूटीसी फाइनल होगा। 2021 फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड से हार मिली थी।

प्री-क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचीं निकहत जरीन

नयी दिल्ली, 19 मार्च 2023। स्टार भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन ने रविवार को यहां महिला विश्व चैंपियनशिप में अल्जीरिया की बौआलम रूमायसा को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की।

50 किग्रा स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करते हुए, निखत ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज करने के लिए मौजूदा अफ्रीकी चैंपियन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया।

दोनों मुक्केबाजों ने शुरुआत में खुद को पीछे रखा और सुरक्षित दूरी बनाए रखी। पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीतने वाली निखत ने पहला ख़िताब हासिल किया। अल्जीरियाई एथलीट ने भी यही किया और दोनों मुक्केबाजों ने एक-दूसरे को मात देने की कोशिश की।

अगर निखत ने कुछ संयोजन मुक्के मारे, तो रूमायसा ने भारतीय मुक्केबाज़ के खुले रुख का फ़ायदा उठाते हुए कई मुक्के मारे। हालाँकि, पहला दौर निखत के पक्ष में गया और भारतीय खिलाड़ी ने अगले दौर

की शुरुआत ऑल आउट करके की। रूमायसा भी आगे आकर हमला करने के लिए तैयार नजर आ रही हैं। दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामकता के साथ खेला और बहुत सारे बॉडी क्लिनिंग का सहारा लिया लेकिन अंत में, केडी जाधव स्टेडियम में भारतीय प्रशंसकों को बहुत खुशी हुई, निखत विजयी हुए।

÷आज के लिए मेरी रणनीति राउंड पर हावी होने की थी क्योंकि वह (रौमायसा) शीर्ष वरीयता प्राप्त थी। सीडिंग का एक फायदा है। मुझे एक सीडिंग मिली। अगर मैं शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हरा देती हूं, तो यह जजों पर एक छाप छोड़ती है,÷ निकहत मुक्केबाज़ी के बाद कहा।

उन्होंने कहा, ÷मैंने पहले भी उनकी बाउट देखी है। अगर आप करीबी सीमा में हैं तो वह बहुत आक्रामक हो जाती हैं। इसलिए, मैंने दूर से खेलने का लक्ष्य रखा था, लेकिन क्लिंचिंग और थोड़ा गंदा खेल था।÷

बाद में दिन में, 2022 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन (57 किग्रा) ऑस्ट्रेलिया की रहीमी टीना के खिलाफ राउंड ऑफ़ 32 बाउट के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

आस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से धोया

नई दिल्ली ,19 मार्च 2023। ।विशाखापट्टनम के वाई एस राजशेखर क्रिकेट स्टेडियम में आज यानी 19 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है।इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की पारी 26वें ओवर में 117 रन पर ही सिमट गई। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा (31) रन विराट कोहली ने बनाए।

वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से मिचेल स्टार्क ने कुल 5 विकेट चटकाए। जबकि शॉन एबॉट ने 3 और नेथन एलिस ने 2 विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने बिना विकेट खोए 11वें ओवर 121 रन बनाते हुए जीत हासिल कर लिया। मार्श ने 28 गेंद में पर सीरीज में लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा। वहीं, ट्रैविस हेड ने 29 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

भारत का कोई भी गेंदबाज विकेट लेने में असमर्थ रहा। मिचेल मार्श ने नाबाद 66 रन की पारी में 36 गेंद का सामना किया। इस दौरान 6 चौके और 6 गगनचुंबी सिक्स लगाए। ट्रैविस हेड ने नाबाद 51 रन बनाए। इस दौरान 30 गेंद का सामना करते हुए 10 चौके लगाए। सीरीज 1-1 की बाराबरी पर आ गई है। तीसरा और आखिरी मैच चेन्नई में खेला जाएगा।

रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन ने इंडियन वेल्स युगल खिताब जीता

कैलिफ़ोर्निया ,19 मार्च 2023। रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन ने अपना इंडियन वेल्स ओपन खिताब उसी तरह से समाप्त किया जिस तरह से उन्होंने इसे शुरू किया था, मैच टाई-ब्रेक में क्लच प्रदर्शन के साथ वेस्ले कूलहोफ और नील स्कूप्स्की को हराकर खिताब जीता था।

गैर-वरीयता प्राप्त चैंपियन ने रविवार के इंडियन वेल्स फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त वेस्ले कूलहोफ और नील स्कूपस्की को 6-3, 2-6, 10-8 से हराया, जिसमें 43 वर्षीय बोपन्ना सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी विजेता बने।

भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में गत और दो बार के डेजर्ट चैंपियन जॉन इस्नर और जैक सॉक को हराया, क्वार्टर फाइनल में कनाडाई एकल स्टार फेलिक्स ऑगर-अलीसिमे और डेनिस शापोवालोव को हराया। उनकी पहली जीत राफेल माटोस और डेविड वेगा हर्नांडेज़ पर मैच टाई-ब्रेक में आई।

अब अपने पहले सीज़न में 11-4 एक साथ, बोपन्ना / एबडेन दोहा में जीत और रॉटरडैम में उपविजेता के साथ फाइनल में 2-1 हैं।

बोपन्ना, जो 4 मार्च को 43 वर्ष के हो

गए, अपने पूर्व साथी डेनियल नेस्टर को पीछे छोड़ते हुए सबसे उम्रदराज़ एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनलिस्ट बन गए और फिर सबसे उम्रदराज़ एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनकर कनाडा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बोपन्ना अपने 10वें एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे और जीत के बाद अब उनके पास टूर स्तर की 24 ट्राफियां हैं। बोपन्ना, पूर्व विश्व नंबर 3, अपने ट्रॉफी रन के परिणामस्वरूप पेपरस्टोन एटीपी लाइव डबल्स रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 11 पर पहुंच गए। 2022 में साथी ऑस्ट्रेलियाई मैक्स परसेल के साथ विंबलडन जीतने वाले एबडेन ने अपना नौवां टूर-स्तरीय खिताब जीता और एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर पहला खिताब जीता। इस टूर्नामेंट में, 35 वर्षीय, पेपरस्टोन एटीपी लाइव डबल्स रैंकिंग में 19 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए, और सोमवार को अपने करियर की नई ऊंचाई पर पहुंच गए।

÷वास्तव में विशेष। इसे एक कारण से टेनिस पैराडाइज कहा जाता है। मैं वर्षों से यहां आ रहा हूं और इन सभी लोगों को इतने सालों तक जीतते हुए देख रहा हूं। मैं वास्तव में खुश हूं कि मैट और मैं ऐसा करने में सक्षम थे और यह खिताब यहाँ है। यह कुछ कठिन मैच, करीबी मैच रहे हैं। आज हम वहाँ की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेले। वास्तव में खुश हैं कि हमें ट्रॉफी मिली, एटीपी. पहले इंडियन वेल्स में।

सिंघम अगेन अगले साल सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन का नाम इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों में शुमार है. अजय देवगन की सबसे बेहतरीन फिल्मों की बात की जाए तो उसमें सिंघम का नाम टॉप लिस्ट पर जरूर शामिल होगा. अब तक अजय सिंघम और सिंघम रिटर्न्स के जरिए दर्शकों को भरपूर मनोरंजन कर चुके हैं. बीते समय में डायरेक्टर रोहित शेट्टी अजय देवगन स्टारर सिंघम अगेन यानी तीसरे पार्ट का एलान कर चुके हैं. इस बीच अब सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है.

मशहूर फिल्म क्रिटिक्स तरण आदर्श की ओर से अजय देवगन की सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट मिला है. दरअसल तरण ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर ये जानकारी दी है कि डायरेक्टर रोहित शेट्टी और एक्टर अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन दिवाली 2024 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इससे पहले रोहित शेट्टी की कॉप स्पेशलिस्ट इस फ्रेंचाइजी के पिछले दो पार्ट्स सिंघम और सिंघम रिटर्न्स ने बॉक्स ऑफिस पर ताबडतोड़ कमाई की है. ऐसे में अब अगले साल दिवाली पर सिंघम अगेन किस तरह की प्रदर्शन करेगी, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

हिना खान ने दिखाई कातिलाना अदाएं

रेड कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस हिना खान बेहद ही सिजलिंग लग रही हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। ब्राउन आंखें और कातिलाना अंदाज में एक्ट्रेस हिना खान गजब ढा रही हैं। बॉडी हगिंग आउटफिट में एक्ट्रेस हिना खान अपने कातिलाना अंदाज से कहर बरपाए रहती हैं। रेड कलर के शॉर्ट ड्रेस में एक्ट्रेस हिना खान बेहद ही स्टाइलिश और डेसिंग नजर आ रही हैं। ग्लॉसी मेकअप और खुली जुल्फों के साथ हिना खान बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। उनकी तस्वीरों पर फैंस बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस हिना खान ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में एक से बढ़कर एक पोज दिए। एक्ट्रेस हिना खान अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। बिग बॉस फेम हिना खान ने बेहद कम समय में इंडस्ट्री में खास जगह बनाई है। एक्ट्रेस हिना खान टीवी एक्टर शहीर शेख के साथ बारिश बन जाना गाना में नजर आ चुकी हैं। हिना खान की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 18.8 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस हिना खान अपने फैंस के लिए एक से बढ़कर एक बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

दबंग की नई फिल्म का हुआ ऐलान!

बॉलीवुड फिल्मों के जाने माने मशहूर अभिनेता सलमान खान को बड़ पर्दे पर देखने के लिए उनके प्रशंसकों की आंखें तरस गई हैं। दरअसल, बीते दो वर्षों से भाईजान की एक भी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हुई है। अंतिम बार उन्हें वर्ष 2021 में आई फिल्म अंतिम में देखा गया था। हालांकि, इस बीच वह पठान और गॉडफादर में भी दिखाई दिए थे। मगर, इन फिल्मों में वह मात्र 20-30 मिनट के लिए पर्दे पर कैमियो करते नजर आए थे। यही वजह है कि उनके प्रशंसक उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक ओर, जहां इस वर्ष उनकी दो फिल्में किसी का भाई किसी की जान और टाइगर 3 रिलीज होने के लिए तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर, उनकी नई फिल्म की घोषणा हो गई है। वही एक बार फिर सलमान खान प्रेम बन सिनेमाघरों में लोगों का मनोरंजन करने वाले हैं। मिल रही रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान और सूरज बड़जात्या कुछ समय से फिल्म प्रेम की शादी पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं, अब दोनों ने इस फिल्म पर काम आरम्भ करने का फैसला किया है। प्राप्त खबर के अनुसार, दोनों इस वर्ष नवंबर या दिसंबर से प्रेम की शादी की शूटिंग आरम्भ कर देंगे। हालांकि, अभी तक न ही प्रोडक्शन हाउस की ओर से और न ही सलमान खान की ओर से इस बारे में कोई खबर दी गई है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

खबरें राजधानी की....

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांकेरवासियों को दी बड़ी सौगात

» मुख्यमंत्री बघेल ने 143 करोड़ 92 लाख रूपये के 95 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन,

» बच्चों ने गुलाब का फूल भेंटकर दिया धन्यवाद

» राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त 25 मार्च तकः सीएम बघेल

रायपुर,19 मार्च 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम करप में आयोजित कोसरिया मरार (पटेल) समाज के महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि- राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किश्त की राशि 25 मार्च तक किसानों के खाते में पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांकेर जिले में विकास कार्य निरंतर जारी है, स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं। मेडिकल कॉलेज की सुविधा के साथ हाट-बाजार में ग्रामीणों को निःशुल्क इलाज मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कांकेर जिले के विकास के लिए 143.92 करोड़ रूपये की लागत के 95 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कोसरिया मरार(पटेल) समाज के महासम्मेलन में छत्तीसगढ़ महतारी और कोसरिया मरार (पटेल) समाज की अराध्या देवी शाकम्भरी माता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि व खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री बघेल ने शाकम्भरी माता को नमन करते हुए कहा कि उनकी जयंती के अवसर पर हमने अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री ने कोसरिया मरार समाज को कांकेर में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये दिए जाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के लिए पहला छात्रावास कांकेर में खोला गया, जिसमें वर्तमान शैक्षणिक सत्र से 50 सीटर अन्य पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास संचालित किया जा रहा है। अब संभाग मुख्यालय और कुछ बड़े जिलों में भी पिछड़े वर्ग के लिए छात्रावास खोलने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन ने 01 अप्रैल से आर्थिक सर्वेक्षण कराने की घोषणा की है, सर्वे तीन बिंदुओं आवास, उज्जवला गैस कनेक्शन और शौचालय पर आधारित होगा। ताकि पिछले 12 वर्षों में इन योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आज पूरे देश का 74 प्रतिशत लघु वनोपज खरीदा जा रहा है और उसका वैल्यू एडिशन भी हो रहा है। इससे वनांचल के लोगों की आय बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों में आजीविकामूलक गतिविधियों के कारण गांवों में आर्थिक समृद्धि आई है। गौठानों में गोबर से प्राकृतिक पेंट और बिजली उत्पादन की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं, ऐसे गौठान जहां प्रतिदिन पांच क्विंटल से ज्यादा गोबर की खरीदी हो रही है, उन गौठानों में बिजली उत्पादन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले 4 वर्षों से लगातर मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। जिला चिकित्सालय कांकेर को एमआरआई जांच की सुविधा भी मिल गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों की संख्या बढ़कर अब 23 लाख 50 हज़ार हो गई है और नया कीर्तिमान गढ़ते हुए इस वर्ष 107 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में सर्वाधिक पुरस्कार जीतने पर कांकेर जिलावासियों को बधाई भी दी।

प्रदेश में किसानों की संख्या बढ़कर अब 23 लाख 50 हार हो गई

कोसरिया मरार (पटेल) समाज के महासम्मेलन को आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा, संसदीय सचिव एवं कांकेर विधायक शिशुपाल शोरी, अंतागढ़ विधायक अनूप नाग, भानुप्रतापपुर के विधायक सावित्री मण्डावी, कोसरिया मरार पटेल समाज के प्रदेष अध्यक्ष राजेन्द्र नायक और जिला अध्यक्ष कौशल पटेल ने भी संबोधित किया। आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार के बनते ही किसानों की कर्ज माफ किये गये। किसानों को समर्थन मूल्य के साथ इनपुट सब्सिडी दी गई। जिससे किसानों को प्रति क्विंटल 2500 रूपए धान की कीमत मिली। तेन्दूपत्ता पारिश्रमिक बढ़ाकर 04 हजार रूपये प्रति मानक बोरा किया गया। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजनांतर्गत गरीब परिवारों को मदद दी जा रही है। आदिवासियों के पूजा स्थल देवगुड़ी का निर्माण हो रहा है तथा संस्कृति के संरक्षण हेतु गोटुल का निर्माण किया जा रहा है। आंगनबाड़ीकार्यकर्ता, सहायिका, मितानीन, कोटवार, ग्राम पटेल के मानदेय बढ़ाये गये हैं। छत्तीसगढ़ सरकार समाज के हर वर्ग के साथ खड़ी है।

सीएम भूपेश बघेल ने पूर्व सांसद स्वर्गीय सोहन पोटाई के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

» सांसद पोटाई के निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति

प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कांकेर विकासखण्ड के ग्राम बाबूदबेना पहुंचकर कांकेर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद स्वर्गीय सोहन पोटाई के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा कि सोहन पोटाई आदिवासियों के बड़े नेता थे, वे आदिवासियों के अधिकार के लिए पूरे जीवनभर लड़ते रहे तथा चार बार लोकसभा में कांकेर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। मुख्यमंत्री ने सांसद पोटाई के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शोकाकुल परिवार से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा सांत्वना दी।

'न्याय' की अवधारणा के बाद

अब 'भरोसे' की कसौटी पर कांग्रेसःभाजपा

» नए राज्य के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार होगा कि एक- एक सीट और एक- एक वोट के लिए भीषण संघर्ष होगा

रायपुर,19 मार्च 2023(ए)। ठीक साढ़े चार साल पहले न्याय की अवधारणा लिए बम्पर जनादेश के साथ सत्ता में आई कांग्रेस अब पांचवे साल में भरोसे की कसौटी पर खरा उतरने की कोशिश कर रही है। दरअसल 2018 के चुनावी साल में भाजपा ने मोबाइल इसलिए बांटे कि 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार की डिजिटल सामग्री इसी मोबाईल से घर-घर पहुंच जाए।

मात्र दो साल का किसानों को धान का बोनस नही दे पाने वाली भाजपा के लिए भरोसे का संकट इतना बड़ा हो गया था कि सीधे 50 से 15 पर आना पड़ा। किसानो के साथ उसी अन्याय का हवाला देकर सत्ता में आई कांग्रेस ने भी वादा किया था कि 2500 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदी के साथ ही भाजपा सरकार द्वारा लम्बित दो साल का बोनस देकर न्याय करेंगे। हालांकि इस न्याय के प्रकल्प पर सत्ता व सगंठन अभी मौन है।

2018 में तो कांग्रेस के चुनावी प्रचार का सूत्र वाक्य ही था कि 'अब होगा न्याय'। जनता ने भरोसा किया, बम्पर जनादेश दिया, सरकार बनी तो अधिकांश योजनाओं को न्याय से जोड़ दिया और मुख्यमंत्री जब भूपेश बघेल बने तो नया नारा गढ़ दिया, 'भूपेश है तो भरोसा है'। इसी भरोसे की कसौटी पर कसी जाने वाली है 2023 और 24 की चुनावी रणनीति। भाजपा वैसे ही आक्रामक है जैसे 2018 में 15 साल बाद एकजुट हुई कांग्रेस थी। प्रत्येक स्वनामधन्य नेता अपने आप को मुख्यमंत्री पद का दावेदार मान रहा था। यह गुब्बारा भी तब फूटा जब दो साल बाद एक दावेदार प्रकट हुए और उनके राजनीतिक करियर को नेस्तनाबूत करने पूरी सिपहसालार मंडली लग गई। कमोबेश यही स्थिति अब भाजपा में है, 'मोदी है तो मुमकिन है'। यह सिर्फ जुबां पर है धरातल पर कुछ और है। प्रचार में तो भाजपा का भरोसा मोदी पर हैं लेकिन मुख्यमंत्री के लिए भरोसा किस पर हो यह समय के गर्भ में है। फिर भी नए राज्य के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार होगा कि एक- एक सीट और एक- एक वोट के लिए भीषण संघर्ष होगा।

कांग्रेस की पहली निर्वाचित सरकार बचाने और जनता के प्रति न्याय का भरोसा कायम रखने मैदानी तौर पर अनेक प्रकल्पो पर रायशुमारी जारी है। पहले के दो साल कोरोना और आखरी के दो साल केन्द्र की एजेसियो के साथ दो चार होते संगठन व सत्ता का तालमेल ठीक चुनाव के मुहाने पर असन्तुलित होता दिख रहा है। लेकिन कांग्रेस का आन्तरिक संघर्ष उसकी असल ताकत है। हालांकि उसे दूसरे शब्दों में गुटबाजी या कांग्रेस का आन्तरिक लोकतंत्र भी कहा जाता है। बहरहाल भाजपा के लिए अभी भरोसे का संकट बरकरार है और कांग्रेस की न्याय यात्रा पर जनता का भरोसा बरकरार रखना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है।

रायपुर से भोपाल तक हवाई सफर आसान

रोज संचालित होगी उड़ान

रायपुर,19 मार्च 2023(ए)। भोपाल से रायपुर तक का हवाई सफ़र अब और आसान हो जाएगा। इस रूट पर संचालित इंडिगो की उड़ान 27 मार्च से सप्ताह के सभी सात दिन संचालित होगी। अभी तक यह उड़ान सप्ताह में चार दिन संचालित होती है।

गौरतलब है कि भोपाल से रायपुर के बीच सबसे पहले एलाइंस एयर ने सीधी उड़ान शुरू की थी। कंपनी की उड़ान जयपुर से भोपाल आकर बाद में रायपुर जाती थी। वापसी में यह उड़ान रायपुर से भोपाल आकर जयपुर रवाना होती थी। यह उड़ान चार साल पहले बंद कर दी गई। इसके बाद जेट एयरवेज ने डायरेक्ट उड़ान शुरू की। लेकिन यह कंपनी ही बंद हो गई। हाल ही में इंडिगो ने इस रूट पर सीधी उड़ान शुरू की है। यह उड़ान सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को संचालित होती है।

उड़ान संख्या 6-ई 7568/7569 का शेड्यूल

भोपाल से प्रस्थान - शाम 5.25 बजे

रायपुर आगमन - शाम 6.55 बजे

रायपुर से प्रस्थान - शाम 7.20 बजे

भोपाल आगमन - रात्रि 8.50 बजे

नवीन पटेल को मिली बड़ी जिम्मेदारी

» भारतीय खाद्य निगम के छत्तीसगढ़ सलाहकार समिति के बने सदस्य

रायपुर,19 मार्च 2023(ए)। वन पर्यावरण जलवायु परिवर्तन एवं खाद्य व उपभोक्ता मामले के केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे की अनुशंसा पर कोरबा जिला भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व जिला महामंत्री नवीन पटेल को भारतीय खाद्य निगम के छत्तीसगढ़ के सलाहकार समिति सदस्य बनाया गया है।

पटेल लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पार्टी के कई महत्वपूर्ण पदों एवं संगठन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है, जिसके फ्लस्वरूप भाजपा प्रदेश एवं केंद्रीय नेतृत्व ने छत्तीसगढ़

भारतीय खाद्य निगम का सलाहकार समिति सदस्य का नियुक्त नई जिम्मेदारी सौंपी है। इसे आने वाले दिनों में खाद्य विभाग की समस्या व किसानों की बात सीधे देश की राजधानी दिल्ली तक पहुंच सकेगी और उनकी समस्याओं का त्वरित निदान भी हो सकेगा। साथ ही छत्तीसगढ़ के किसानों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी उन्हें सारी जानकारियां मुहैया हो सकेगी। पटेल किसानों से विशेष लगाव रखते हैं और हर समस्याओं का त्वरित निदान हो सके इस दिशा पर उनका विशेष जोर होगा। पटेल के खाद्य निगम सलाहकार सदस्य के रूप में नियुक्ति होने से निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश सहित कोरबा जिला भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

24 मार्च तक ही ट्रेजरी में जमा होंगे बिल

» वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर,19 मार्च 2023(ए)। ट्रेजरी में बिल जमा करने को लेकर वित्त विभाग ने निर्देश जारी किया है। सभी एचओडी, कलेक्टर व ट्रेजरी आफिसर को जारी आदेश में वित्त विभाग ने बिल जमा करने की आखिरी तारीख 24 मार्च बतायी है। अगर 24 मार्च तक बिल जमा नहीं कराये गये तो सिर्फ वित्त विभाग की अनुमति से ही 31 मार्च तक बिल ट्रेजरी में जमा होंगे।

दिवंगत शिक्षाकर्मियों के परिजनों का अनोखा प्रदर्शन

» दिए जलाकर की प्रार्थनाऊ

» 153 दिनों से संघर्ष फिर भी कोई अनुकंपा नौकरी देने प्रशासन की कोई पहल नहीं,

» आखिर क्या है वजह

रायपुर,19मार्च2023(ए)। दिवंगत शिक्षा कर्मियों के परिजन 153 दिनों से अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर संघर्ष के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने कोई पहल नहीं की है।

वहीं छत्तीसगढ़ सरकार के संवेदनशीलता को जगाने आज धरना स्थल पर दिए जलाकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के समाज सेवक उपस्थित रहे।

बता दें कि दिवंगत शिक्षाकर्मियों के परिजन पिछले लंबे समय ये राजधानी रायपुर के बूढ़ा तालाब धरना स्थल में अपनी अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

विगत दिनों दिवंगत शिक्षाकर्मियों की पत्नियों ने राजधानी के प्राचीन बूढ़ातालाब में छलांग लगाकर जान देने की कोशिश भी की थी। यहां मौके पर मौजूद महिला पुलिस बल ने किसी तरह महिलाओं को तालाब में

डूबने में बचाया था, लेकिन महिलाएं अपनी अनुकंपा नियुक्ति के नारे लगाती रही। इस आंदोलन में शामिल 200 से अधिक महिलाएं बीते डेढ़ महीने से राजधानी के बूढ़ातालाब स्थित धरना स्थल पर अनवरत धरने पर बैठी हुई है।

बता दें कि अनुकंपा नियुक्ति शिक्षाकर्मी कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार ने 1 जुलाई 2018 के पहले मृत शिक्षाकर्मियों के परिवारों को अनुकंपा देने से मना कर दिया है। ऐसे में उन परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो चुका है, जिस परिवार को सरकार की ओर से अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिल रही है। सरकार ने डीएड,बीएड का प्रावधान रखा है, लेकिन ऐसे अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति नहीं दी जा रही है, जो कि डीएड,बीएड कर चुके हैं।

अमित शाह के बस्तर दौरे का माओवादियों ने किया विरोध

रायपुर/ सुकमा ,19 मार्च 2023(ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 25 मार्च को छत्तीसगढ़ के बस्तर दौरे का माओवादियों ने विरोध शुरू कर दिया है। खबर है कि सुकमा जिले के एक गांव में सैकड़ों की संख्या में हथियारबंद माओवादियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर मार्च निकाला और केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

नक्सली लीडर समता ने इस आयोजन का 2 मिनट का वीडियो और प्रेस नोट जारी कर कहा कि बस्तर में गर्मी के सीजन में फिर बमबारी की जाएगी, जिसकी योजना बनाने अमित शाह यहां आ रहे हैं। समता ने कहा कि, छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र में अपार मात्रा में खनिज है।

इन राज्यों का पर्यावरण संतुलन पूरे देश को जीवन देता है। जिसे नष्ट किया जा रहा है। माओवादियों ने कहा कि, अमित शाह के बस्तर प्रवास का लगातार विरोध बस्तर की जनता कर रही है। इधर, नक्सलियों के इस विरोध के बाद गृहमंत्री के दौरे को लेकर बस्तर में फोर्स अलर्ट हो गई है।

राहुल गांधी के घर दिल्ली पुलिस के पहुंचने से भड़के सीएम भूपेश बघेल

» उन्हें रोकने के लिए केंद्र सरकार भेज रही है पुलिस

रायपुर,19 मार्च 2023(ए)। कांकेर दौरे पर रवाना होने से पहले रविवार को राजधानी रायपुर के पुलिस लाइन के हैलिपेड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के घर पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस की कार्यवाही से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केंद्र पर भड़क उठे।

दिल्ली में राहुल गांधी के घर पुलिस पहुंचने के मुद्दे पर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि राहुल गांधी सदन में अडानी के मामले में कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। और प्रधानमंत्री इस मामले पर कोई जवाब नहीं दे रहे हैं। इससे पहले राहुल गांधी को रोकने के लिए केंद्र सरकार पुलिस भेज रही है।

सीएम भूपेश बघेल ने अपने ट्वीट पर भाजपा पर निशाना साधते हुए लिखा हैं कि ÷उस 'एक अकेले' को बचाने के लिए वो 'दो अकेले' पूरी सिद्दत से दिन-रात लगे हैं। संसद में माइक बंद, सांसदों के मार्च पर रोक और जब सारी कोशिशें विफल हुईं और देश का सवाल अडिग रहा तो अब श्री राहुल गाँधी जी के घर पर दिल्ली

पुलिस भेज दी। आप 'दोस्ती' के सवालों से ध्यान नहीं भटका सकते।

उनकी हिम्मत कैसे हो गई?

इधर वकील, राजनेता और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी और अशोक गहलोत भी राहुल गांधी के घर पहुंचे. अभिषेक मनु ने कहा, आज जो घटना हुई है यह घटना मामूली नहीं है उनकी हिम्मत कैसे हो गई। देश के लिए इस तरह का माहौल बिल्कुल ठीक नहीं है। यह सब अमित शाह के इशारे पर हो रहा है, आपातकाल में क्या हुआ था और उसके बाद क्या हुआ सबको याद है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि दिल्ली पुलिस का राहुल गांधी के आवास पर जाना इंदिरा गांधी के जमाने की याद दिलाता है। आज की घटना कोई साधारण मामला नहीं है। देश के लोग इसे देख रहे हैं और आपको माफ नहीं करेंगे।

पीएम मोदी और अडानी पर दिए बयान के बाद कर रहे परेशान

वहीं, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, जिस दिन से राहुल गांधी ने पीएम मोदी और अडानी के बीच रिश्तों पर सवाल उठाए तब से सरकार ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया।

बीजेपी को राहुल गांधी की तरफ से उठाए गए सवालों का जवाब देना होगा। वे जवाब देने के बजाय राहुल गांधी को डराने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने राहुल से दो बार संपर्क किया, इसका मकसद क्या है? यह हमारे देश में सर्वोपरि तानाशाही है।

सड़क पर बहने लगी शराब

बिलासपुर 19मार्च2023(ए)। बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र मे शराब से भरी ट्रक जोरापारा के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। जब शराब से भरी ट्रक पलट गई तब ट्रक में रखी शराब की बोतलें आपस में टकरा जाने से टूट गई जिसके बाद शराब ट्रक के बाहर बहने लगी। इससे पहले पुलिस को शराब से भरी ट्रक के पलटने की जानकारी 112 को दी गयी जहां संदीप कश्यप और स्टाफ मौके पर पहुंचे और आसपास खड़े ग्रामीणों को वहां से हटाया। जानकारी के अनुसार मुंगेली शराब दुकान के लिए वेलकम फैक्ट्री कोटा से शराब भरकर ड्राइवर परमेश्वर साहू ट्रक क्रमांक 6380 से लेकर जा रहा था। बिलासपुर जिला अन्तर्गत थाना तखतपुर मुख्य मार्ग में स्थित ग्राम जोरापारा के पास ट्रक अनियंत्रित हो गई और बीच सड़क पर पलट गई। सड़क पर पलटी ट्रक में ग्रामीणों को जैसे ही पता चला कि इसमें शराब है तो वहां इकट्ठे हो गए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)